संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 277
पृष्ठ 8
रविवार
29 जून 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- क्या ब्लड ग्रुप के हिसाब से खाना...

विचार- प्रकृति के साथ सहजीवन का तिरस्कार

खेल- ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड जीत के साथ...

भारत के विचार, दार्शनिक सोच और विश्वदृष्टि हजारों वर्षों से अमर है : मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को दुनिया की सबसे प्राचीन जीवित सभ्यता बताते हुए कहा है कि यह देश हजारों वर्षों से अमर है क्योंकि इसके विचार, दार्शनिक सोच और विश्वदृष्टि शाश्वत हैं।

श्री मोदी ने शनिवार को यहां जाने–माने जैन संत आचार्य विद्यानंद महाराज के शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए कहा, " हमारा भारत विश्व की सबसे प्राचीन जीवंत सभ्यता है। हम हजारों वर्षों से अमर हैं, क्योंकि हमारे विचार अमर हैं, हमारा चिंतन अमर है, हमारा दर्शन अमर है। और इस दर्शन के स्रोत हैं– हमारे ऋषि, मुनि, महर्षि, संत और आचार्य! आचार्य श्री विद्यानंद जी मुनिराज भारत की इसी पुरातन परंपरा के आधुनिक प्रकाश स्तम्भ रहे हैं। "

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज राष्ट्र अपनी आध्यात्मिक परंपरा में एक महत्वपूर्ण अवसर देख रहा है। उन्होंने कहा कि आज का दिन एक अन्य कारण से भी विशेष महत्व रखता है क्योंकि 28 जून 1987 को श्री विद्यानंद मुनिराज को औपचारिक रूप से 'आचार्य' की उपाधि प्रदान की गई थी। उन्होंने कहा कि यह महज एक उपाधि नहीं बल्कि एक पवित्र धारा की शुरुआत थी जिसने जैन परंपरा को विचार, अनुशासन और करुणा से जोड़ा है।

श्री मोदी ने आचार्य को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि यह शताब्दी समारोह कोई साधारण आयोजन नहीं है, यह एक युग और एक महान तपस्वी के जीवन की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक अवसर को मनाने के लिए विशेष स्मारक सिक्के और डाक टिकट जारी किए गए हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज उन्हें 'धर्म चक्रवर्ती' की उपाधि प्रदान की गई है और वह इसे विनम्रतापूर्वक स्वीकार कर मां भारती के चरणों में समर्पित कर रहे हैं। उन्होंने कहा ," मैं विशेष रूप से आचार्य श्री प्रज्ञ सागर जी का अभिनंदन करता हूँ, उन्हें प्रणाम करता हूँ।

बिटिया का इलाज कराएंगे, आवास भी दिलाएंगे : सीएम योगी

सुनीं 200 लोगों की समस्याएं

गोरखपुर, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने नन्ही बिटिया के इलाज में मदद और आवास की व्यवस्था करने की गुहार के साथ बिटिया को गोद में लेकर बैठी महिला को भरोसा दिया कि बच्ची का अच्छे से अच्छा इलाज सरकार कराएगी। महिला और उसके परिवार के लिए आवास की भी व्यवस्था कराई जाएगी। इसे लेकर सीएम योगी ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित भी किया। जनता दर्शन में आए लोगों की समस्याएं सुनते हुए मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि वे हर समस्या पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराएंगे। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे जन समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं।

शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर लगी कुर्सियों पर बैठाए गए लोगो तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक–एक कर उनकी समस्याओं को सुना।

ध्यान से बात सुनते हुए उनके प्रार्थना पत्र लिए और निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और सन्तुष्टिपरक होना चाहिए।

जम्मू-कश्मीर को प्रमुख पर्यटन स्थल में बहाल करने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी : अब्दुल्ला

जम्मू, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को राज्य को देश के प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में बहाल करने के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया।

अब्दुल्ला ने कहा, "जम्मू–कश्मीर को देश के प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में बहाल करना और उसे कायम रखना सरकार और पर्यटन हितधारकों का सामूहिक कर्तव्य है।" मुख्यमंत्री यहां शेर–ए–कश्मीर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र (एसकेआईसीसी) में उद्योग मंडल फिक्की और जम्मू–कश्मीर पर्यटन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'जम्मू–कश्मीर पर्यटन पुनरुद्धार वार्ता' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, "यह हमारा दायित्व है कि हम अपनी शक्ति के अनुसार हरसंभव प्रयास करें ताकि जम्मू–कश्मीर देश में प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में अपनी स्थिति में वापस आ सके और वैसा ही बना रहे।" अब्दुल्ला ने कहा कि सरकार मुख्य रूप से समग्र पर्यटक अनुभव को बेहतर बनाने पर केंद्रित नई पहलों पर काम कर रही है।

अमित शाह का युवाओं से अपील, 2047 तक भारत को हर क्षेत्र में विश्व नेता बनाने का लें संकल्प

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को युवाओं से 2047 तक भारत को हर क्षेत्र में विश्व गुरु बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया, जब भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएगा। उन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी नेता गोविंद गुरु के योगदान को भी याद किया और कहा कि उन्होंने ब्रिटिश शासन के दौरान क्षेत्र के लोगों की अंतरात्मा को जगाया। शाह वीडियो लिंक के जरिए एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जहां गुजरात के पंचमहल जिले में गोधरा के पास विंजोल में श्री गोविंद गुरु विश्वविद्यालय के लिए 125 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शुभारंभ किया गया। गोविंद गुरु को भारत के स्वतंत्रता संग्राम का नायक बताते हुए शाह ने कहा, "अंग्रेजों के खिलाफ उस संघर्ष में करीब 1,512 आदिवासी भाई–बहन शहीद हुए और गुजरात में मानगढ़ भारत की आजादी की लड़ाई के इतिहास में एक महत्वपूर्ण स्थान बन गया।

राजस्थान के बूंदी में तालाब में डूबने से दो लोगों की मौत

राजस्थान के बूंदी जिले में अलग–अलग घटनाओं में डूबने से दो लोगों की मौत हो गई और एक किशोर लापता हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद दोनों शव उनके परिजनों को सौंप दिए गए। पहली घटना में शुक्रवार को बूंदी जिले के बरधा बांध के ऊपर एक पुलिया पार करते समय बारां जिले के अटरू थाना क्षेत्र के कुंजेड गांव के निवासी मोहित यदुवंशी (19), लक्ष्य मालव (22) और उसका भाई पानी के तेज बहाव में बह गए।

बंगाल में लॉ एंड ऑर्डर पूरी तरह से ध्वस्त, कानून मंत्री ने ममता सरकार पर साधा निशाना

कोलकाता, एजेंसी। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कोलकाता गैंगरेप मामले को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आलोचना की है। मेघवाल ने बनर्जी पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि पश्चिम बंगाल में कानून–व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है। भाजपा ने टीएमसी पर आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिस मामले में तेजी से काम नहीं कर रही है। गैंगरेप की घटना के सिलसिले में चार गिरफ्तारियां की गई हैं।

राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर दक्षिण कोलकाता में हुए सामूहिक बलात्कार मामले में तत्काल कार्रवाई करने और आयोग के सदस्य और पीड़िता एवं उसके परिवार के बीच बैठक के लिए राज्य पुलिस से सहयोग मांगा है। एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने इस घटना को गंभीर बताया और कहा कि इसने लोगों की अंतरात्मा को झकझोर दिया है। आयोग ने शुक्रवार को मामले का स्वतः संज्ञान लिया था। आयोग ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करने पर जोर दिया है। मुख्य सचिव को लिखे पत्र में रहाटकर ने निर्देश दिया कि राज्य पुलिस को एनसीडब्ल्यू सदस्य अर्चना मजूमदार के साथ पूरा सहयोग करना चाहिए, जिन्हें पीड़िता और उसके परिवार से मिलने के लिए नियुक्त किया गया है।

साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज' की प्रथम वर्ष की छात्रा ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि 25 जून की शाम को संस्थान के एक पूर्व छात्र और दो वरिष्ठ छात्रों ने उससे सामूहिक दुष्कर्म किया। तीनों आरोपियों को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया गया और उसी दिन युवती की मेडिकल जांच भी कराई गई। छात्रा के गुप्तांगों और जांघों के पास बाहरी चोटों के निशान हैं, साथ ही उसकी गर्दन के आसपास चोट के निशान भी हैं।

जनता की जेब काटने में लगी है सरकार : खरगे

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी सरकार पर हमला करते हुए शनिवार को कहा कि महंगाई लगातार बढ़ रही है और सरकार आवश्यक वस्तुओं के आकाश छूते दामों को रोकने के उपाय करने की बजाय जनता की जेब काटने में लगी है। श्री खरगे ने आज यहां एक बयान में कहा कि महंगाई बढ़ने के कारण घरेलू बचत लगातार घट रही है और पिछले तीन साल से यह क्रम रुकने का नाम नहीं ले रहा है। सरकार भले ही 'अमृत काल' मना रही है लेकिन सच यह है कि लोगों की बचत बंद हो गई है और उसके घरेलू खर्चों पर लगाम लग गई है। उन्होंने कहा,"बचत बंद, घरेलू खर्च्चों पर लगाम, ये है 'अमृत काल' के परिणाम। बचत बैंक खाते पर ब्याज दर 25 वर्षों में सबसे निचले पायदान पर आ गई और घरेलू बचत 50 वर्षों में सबसे कम तो हुई थी, पिछले तीन वर्षों से लगातार गिरावट देखने को मिली। ऐसा लगता है कि मोदी सरकार ने जनता की जेब काटने का ठेका ले रखा है।"

संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गये शब्द नासूर : धनखड़

नयी दिल्ली, एजेंसी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आपातकाल के दौरान संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गये शब्दों को नासूर करार देते हुए कहा है कि इससे संविधान की आत्मा का अपमान हुआ है। श्री धनखड़ को शनिवार को उपराष्ट्रपति निवास में आयोजित एक समारोह में कर्नाटक के पूर्व विधायक और लेखक डी. एस. वीरैया द्वारा संकलित 'अंबेडकर के संदेश' पुस्तक की पहली प्रति भेंट की गई। इस अवसर पर उप राष्ट्रपति ने संविधान की प्रस्तावना को बदले जाने को गंभीर विषय बताया और कहा कि प्रस्तावना वह आधार है जिस पर पूरा संविधान टिका है। उन्होंने कहा कि अन्य किसी भी देश के संविधान की प्रस्तावना में इस तरह का बदलाव नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, "किसी भी संविधान की प्रस्तावना उसकी आत्मा होती है। भारतीय संविधान की प्रस्तावना अद्वितीय है। भारत को छोड़कर दुनिया के किसी भी देश की संविधान की प्रस्तावना में बदलाव नहीं हुआ है, और क्यों? प्रस्तावना अपरिवर्तनीय है। प्रस्तावना आधार है जिस पर पूरा संविधान टिका है। यह उसकी बीज–रूप है। यह संविधान की आत्मा है। लेकिन भारत की इस प्रस्तावना को 1976 में 42वें संविधान संशोधन अधिनियम के तहत बदल दिया गया और 'समाजवादी', 'धर्मनिरपेक्ष' और 'अखंडता' जैसे शब्द जोड़ दिए गए।" श्री धनखड़ ने आपातकाल को लोकतंत्र का अंधकारमय दौर बताया और कहा कि इसकी कड़ी से कड़ी निंदा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, "आपातकाल – भारतीय लोकतंत्र का सबसे अंधकारमय दौर था।

भारत–मेडागास्कर ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढाने के तरीकों पर चर्चा की

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत और मेडागास्कर ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग विशेष रूप से समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग का दायरा बढाने के उपायों पर महत्वपूर्ण चर्चा की है।

रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि मेडागास्कर की चार दिन की यात्रा पर गये रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने राजधानी अन्टाननरीवो में एक उच्च स्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। रक्षा राज्य मंत्री ने मेडागास्कर के स्वतंत्रता दिवस की 65वीं वर्षगांठ और मालागासी सशस्त्र बलों के स्थापना दिवस समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व किया। श्री सेठ ने मेडागास्कर के सशस्त्र बलों के मंत्री लेफ्टिनेंट जनरल साहिवेलो लाला मोन्जा डेल्फिन के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इसमें दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को गति देने और विशेष रूप से समुद्री सुरक्षा तथा क्षमता निर्माण में सहयोग को बढाने के तौर–तरीकों पर चर्चा की गयी। उन्होंने मेडागास्कर के प्रधानमंत्री क्रिश्चियन एनत्से से भी मुलाकात की और मेडागास्कर की स्वतंत्रता की 65वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से उनको हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

रक्षा राज्य मंत्री अन्टाननरीवो में भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित स्वागत समारोह में शामिल हुए। उन्होंने मेडागास्कर में भारतीय समुदाय को देश के हाल के घटनाक्रमों और प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में चल रहे आर्थिक परिवर्तनकारी कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी।

सीएम नीतीश के गढ़ में बोले प्रशांत किशोर

अब वोट बदलाव के लिए, न कि नेताओं के नाम पर

नालंदा, एजेंसी। जन सुराज पार्टी के संस्थापक और चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने शनिवार को नालंदा जिले के एकंगरसराय में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए सत्तारूढ़ एनडीए और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता को अब नेताओं के नाम पर नहीं, बल्कि अपने बच्चों के भविष्य के लिए वोट देना चाहिए।

प्रशांत किशोर की शबिहार बदलाव यात्राश के तहत नालंदा और नवादा का यह एक दिवसीय दौरा रहा। जिले में प्रवेश करते ही ढोल–नगाड़ों के साथ उनका भव्य स्वागत हुआ। फूल–मालाओं से लदे उनके काफिले के पीछे गाड़ियों की लंबी कतार देखने को मिली। श्री सुखदेव हाई स्कूल मैदान में आयोजित जनसभा में हजारों की भीड़ उमड़ी, जहां स्थानीय कार्यकर्ताओं ने उन्हें शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

सभा को संबोधित करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि वे पिछले तीन वर्षों से गांव–गांव घूम रहे हैं और आज भी बिहार में बच्चों के पास पहनने को कपड़े और पैरों में चप्पल नहीं है। उन्होंने डबल इंजन सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि नेताओं को जनता के बच्चों की कोई चिंता नहीं है, इसलिए अब लोगों को खुद जागरूक होना होगा।

प्रशांत किशोर ने आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का उदाहरण देते हुए कहा कि प्लालू जी का बेटा 9वीं पास नहीं है, फिर भी वे उसे राजा बनाना चाहते हैं, जबकि बिहार के पढ़े–लिखे युवाओं को नौकरी नहीं मिल रही।ष उन्होंने कहा, ष्इस बार वोट लालू, नीतीश या मोदी के नाम पर नहीं, अपने बच्चों के भविष्य के लिए दीजिए।

सभा में फैक्ट्री और औद्योगीकरण के मुद्दे को उठाते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि जब वोट बिहार से मिलते हैं, तो फैक्ट्री भी बिहार में लगनी चाहिए। उन्होंने पूछा कि ष्फैक्ट्री गुजरात में लगनी चाहिए या बिहार में?ष तो उपस्थित जनसमूह ने एक स्वर में कहा दृ षबिहार में।

सभा के अंत में प्रशांत किशोर ने जनता से सीधा सवाल किया कि क्या वे एक बार फिर नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं, या अब उन्हें श्बाय–बायश कहना चाहिए? हजारों की भीड़ ने हाथ उठाकर नीतीश कुमार को बाय–बाय कहने की हामी भरी।

जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने नालंदा जिले के एकंगरसराय में आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और एनडीए सरकार पर जोरदार हमला बोला। 'बिहार बदलाव यात्रा' के तहत आयोजित इस जनसभा में उन्होंने जनता से भावनात्मक अपील की ।

बड़ा फैसला...सभी जोनल रेलवे की एक ट्रेन में 24 घंटे पहले बनेगा रिजर्वेशन चार्ट

प्रयागराज। सभी जोनल रेलवे की एक ट्रेन में 24 घंटे पहले रिजर्वेशन चार्ट बनेगा। बीकानेर मंडल की अवध–आसाम एक्सप्रेस से इसकी शुरुआत हो गई है। अब प्रयागराज की हमसफर में भी 24 घंटे पहले चार्टिंग शुरू हो गई है। प्रयोग सफल रहा तो अन्य ट्रेनों में भी व्यवस्था लागू की जाएगी। रेलवे की नई व्यवस्था के तहत प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों को एक दिन पहले ही पता चल जाएगा कि उनकी टिकट कंफर्म हुई या नहीं। रेलवे के पायलट प्रोजेक्ट के तहत उत्तर मध्य रेलवे समेत देश के सभी जोनल रेलवे की एक–एक ट्रेन में अब रिजर्वेशन चार्ट एक दिन पहले बनेगा। उत्तर मध्य रेलवे ने हमसफर एक्सप्रेस तो उत्तर रेलवे ने लखनऊ–नई दिल्ली एसी एक्सप्रेस में प्रयोग के तौर पर अब एक दिन पहले ही रिजर्वेशन चार्ट बनाना शुरू कर दिया है। हमसफर में अभी 30 जून तक नई व्यवस्था लागू रहेगी।

दरअसल, अभी तक चार्ट ट्रेन के चलने से तकरीबन चार घंटे पहले तैयार किया जाता है। इस वजह से वेटिंग टिकट वाले असमंजस में रहते हैं कि उनका टिकट कंफर्म हो पाएगा या नहीं। ट्रेन रवाना होने के चार घंटे पहले उन्हें पता चल पाता है कि उनका रिजर्वेशन कंफर्म हुआ है या नहीं। अब रेलवे के नए सिस्टम में चार्ट 24 घंटे पहले तैयार होगा। इससे यात्रियों को अगर टिकट निरस्त कराना हो तो समय भी मिल जाएगा। इस प्रयोग की शुरुआत देश में पहली बार उत्तर पश्चिम रेलवे के बीकानेर मंडल ने छह जून को अवध–आसाम एक्सप्रेस से की थी। इसके बाद रेलवे बोर्ड ने सभी जोनल रेलवे से प्रयोग के तौर पर एक–एक ट्रेन में 24 घंटे पहले चार्ट बनाने के लिए कहा। एनसीआर की बात करें तो यहां नई दिल्ली–आनंद विहार जाने वाली हमसफर एक्सप्रेस में प्रयोग के तौर पर 24 घंटे पहले चार्टिंग शुरू हो गई है।

हमसफर में 30 जून तक नई व्यवस्था लागू रहेगी

सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि सभी जोनल रेलवे अपनी एक–एक ट्रेन में 24 घंटे पहले चार्टिंग करने जा रहे हैं। कुछ ने शुरू भी कर दी है। अगर प्रयोग सफल रहा तो रेलवे बोर्ड के निर्देश पर अन्य सभी ट्रेनों की भी 24 घंटे पहले चार्टिंग की व्यवस्था लागू कर दी जाएगी। हमसफर में 30 जून तक नई व्यवस्था लागू रहेगी, उसके बाद आगे क्या करना है उस पर निर्णय होगा। उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अमिताभ ने बताया कि देश में पहली बार बीकानेर मंडल से नई व्यवस्था शुरू की गई। पिछले दिनों रेलवे के एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव बीकानेर गए थे। तभी उन्होंने यह सुझाव दिया था। इसके बाद अवध–आसाम एक्सप्रेस में 24 घंटे पहले चार्ट तैयार किया जाने लगा। कहा कि शुरुआती दस दिन की रेलवे बोर्ड को रिपोर्ट भी भेजी जा चुकी है।

कांग्रेस की जिला कार्यकारिणी घोषित, आशीष तीसरी बार बने उपाध्यक्ष

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश कांग्रेस ने शुक्रवार को जिले की कार्यकारिणी घोषित की है। 64 सदस्यीय इस सूची में कोषाध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव और सचिव पद के नामों की घोषणा की गई है। जिलाध्यक्ष गौरव पांडेय ने बताया कि इस सूची में पुराने साथियों के साथ ही कुछ नए साथियों को शामिल किया गया है। आदिल जाफरी को कोषाध्यक्ष, आशीष कुमार पप्पू को तीसरी बार और कौशलेश द्विवेदी को पहली बार कार्यकारिणी का उपाध्यक्ष चुना गया है। इनके अलावा 13 अन्य कार्यकर्ताओं को भी उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई है। साथ ही 16 कार्यकर्ताओं को महासचिव और 32 कार्यकर्ताओं को सचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने बताया कि सभी पदाधिकारियों को इसकी जानकारी दी गई है। नई कार्यकारिणी जिले में संगठन को मजबूती देगी। कांग्रेस एक बार फिर मजबूती के साथ लोगों की समस्याओं को दूर करने के लिए मैदान में आई है। इसका सार्थक परिणाम मिलेगा।

भक्तों ने खींचा भगवान जगन्नाथ का रथ

प्रयागराज। भगवान जगन्नाथ और भक्तों के बीच अपार प्रेम की बानगी शुक्रवार को शहर के अलग–अलग हिस्सों में देखने को मिली। भगवान जगन्नाथ के साथ ज्येष्ठ भ्राता बलभद्र और बहन सुभद्रा रथ पर सवार हुईं तो उनकी एक झलक पाने को भक्तों को तांता लग गया। चारों ओर गगनभेदी जयकारों के साथ भक्तों में रथ खींचने की होड़ लगी रही। कटरा में हजारों भक्तों की मौजूदगी में शाम करीब छह बजे रथ यात्रा निकली। रास्ते में भक्त डीजे की धुन पर नाचते–गाते नजर आए। सबसे पहले भगवान की आरती की गई। लोगों ने घरों के छतों से भगवान के दर्शन किए। भगवान जगन्नाथ राजस्थानी पोशाक में रहे।

वहीं, दोपहर में शाहगंज, चौक और बताशा मंडी में लोगों ने रथयात्रा का स्वागत किया। करीब 1.30 बजे श्री जगन्नाथ जी महोत्सव समिति ट्रस्ट की ओर से जीरो रोड स्थित हाटकेश्वर मंदिर से रथयात्रा निकाली गई। कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' ने यात्रा का शुभारंभ कर रथ खींचा। इस दौरान मेयर गणेश केसरवानी, पूर्व कैबिनेट मंत्री नरेंद्र कुमार सिंह गौर और बीएचयू के पूर्व कुलपति प्रोफेसर गिरीश चंद्र त्रिपाठी मौजूद रहे। इससे पहले ट्रस्ट के अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद गुप्ता और मंत्री गगन गुप्ता ने यात्रा की शुरुआत की। यात्रा संयोजक राजेश केसरवानी ने बताया, यात्रा निर्धारित मार्ग हाटकेश्वर मंदिर से अग्रसेन चौराहा, चमेली बाई धर्मशाला, बांसमंडी, बलुआघाट, कटघर से होते हुए काशीराज नगर स्थित भगवान जगन्नाथ जी के मंदिर पर संपन्न हुई। इस दौरान महाकाल भस्म आरती, वृंदावन का महारास, काशी का मृदंग ढोल और डमरू वादन आकर्षण के केंद्र रहे। यात्रा में ट्रस्ट की महिला अध्यक्ष पूनम गुप्ता, प्रीति गुप्ता, अजय अग्रहरि, हैप्पी कसेरा, अनिल केसरवानी, अरुण साहू, मनोज गुप्ता और राजा मेहरोत्रा की मौजूदगी रही।

वहीं, श्री जगन्नाथ जी रथयात्रा महोत्सव समिति (बड़ा रथ) ने मोहत्सिमगंज स्थित श्री मंदिर से भगवान जगन्नाथ की यात्रा निकाली। बताशा मंडी और चौक में यात्रा का स्वागत हुआ। उधर, शाम छह बजे के बाद पुराना कटरा में कचहरी रोड स्थित प्राचीन स्वामी जगन्नाथ मंदिर से यात्रा निकली। मंदिर के पुजारी आशीष आनंद महाराज के बताया कि यात्रा में कई झांकियां भी शामिल रहीं। मुख्य अतिथि मेयर गणेश केसरवानी और विधायक दीपक पटेल के साथ अन्य अतिथियों ने रथ को खींचा।

देहरी पर खड़ी कर रहे दीवार, अपने ही शहर में बन जाते हैं किरायेदार

प्रयागराज। कसारी मसारी की जाफरी कॉलोनी के लोगों के लिए बारिश मुसीबत लेकर आती है। मानसून आते ही लोगों की चिंताएं बढ़ जाती हैं और आसमान में छाए बादल डराने लगते हैं। जरा सी बारिश में यहां कमर तक पानी भर जाता है। कॉलोनी के तमाम लोग अपने मकानों पर ताला लटका कर सुरक्षित स्थान पर चले गए हैं जबकि जो रुके हैं वह खुद ही अपने घर, आंगन और दरवाजे पर दीवार उठा रहे है ताकि पानी न घुस सके। आने वाले दिनों में इनकी परेशानी बढ़ना तय माना जा रहा है। बीते शुक्रवार एवं शनिवार को हुई बारिश में यहां कमर तक पानी लगा गया था।

लोगों के घरों के भूतल पर पानी भरने से कपड़े, बिस्तर एवं सामान खराब हो गए। कॉलोनी वासियों से बात गई तो लोग प्रशासनिक व्यवस्था से काफी नाराज दिखे। लोगों का कहना था कि अगर नगर निगम और संबंधित विभाग के अधिकारियों ने समस्या को गंभीरता से लिया होता तो यहां के लोगों को पलायन न करना पड़ता। मानसून की शुरुआती बारिश ने ही कसारी मसारी की जाफरी कॉलोनी में रहने वालों की गृहस्थी उजाड़ दी है। शनिवार दोपहर एक बजे कॉलोनी में घुसा पानी रात 11 बजे तक नहीं निकल सका था। कई घंटों तक नाले का गंदा पानी और कीचड़ घरों में जमा रहने से कपड़े बिस्तर, रजाई, गद्दे फर्नीचर एवं सामान पानी से खराब हो गए। कई घरों के भूतल पर करीब तीन तक फीट पानी भरा रहा। पानी निकलने के बाद कॉलोनी में सड़क और गलियों में कीचड़ की मोटी परत जमा थी। लोग पानी की पाइप और वाइपर लेकर घरों से कीचड़ साफ कर रहे थे। ऐसे में लोगों से जब बात की गई तो उनका गुस्सा फूट पड़ा, बोले देख लीजिए यही व्यवस्था है, यहां कोई रहे तो कैसे रहे। चार साल से इस समस्या को झेल रहे हैं, हर साल बारिश शुरू होते ही मुसीबत शुरू हो जाती है। इस बार भी पहली बारिश आफत बन कर आई और काफी नुकसान हुआ। करीब दस घंटे तक कॉलोनी पानी में डूबी रही लेकिन कोई जिम्मेदार झांकने भी नहीं आया। लोग लगातार इसकी शिकायत करते आ रहे

हैं लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकल सका है। लोगों में नगर निगम की उदासीनता को लेकर काफी नाराजगी है। लोगों का कहना है कि कई साल से यह समस्या चली आ रही है और बार–बार शिकायत की जा रही है लेकिन जिम्मेदार लगातार समस्या को नजरअंदाज कर रहे हैं जिससे समस्या का निदान नहीं हो पा रहा है। करीब दो दशक पूर्व बसी इस कॉलोनी में 250 से अधिक परिवार रहते हैं जिनके लिए बारिश हर साल मुसीबत बन कर आती है। लोगों ने बताया कि यहां तीन सौ मीटर का नाला दो वर्ष पूर्व बनाया गया था लेकिन इस नाले से अन्य स्थानों को जोड़ देने के कारण पानी निकासी नहीं हो पाती और कॉलोनी में पानी भर जाता है। कॉलोनी की जल निकासी के लिए बना नाला सौ मीटर तक तो खुला है लेकिन आगे करीब तीन सौ मीटर ढका हुआ है। नाले को पाट कर उस पर सड़क बना दी गई है जिससे मशीन नहीं पहुंच सकती और पूरे नाले की सफाई नहीं हो पाती। नाले के उपर पक्के निर्माण भी बड़ी समस्या पैदा कर रहे हैं। कई घरों में लग गए ताले, कुछ परिवार ऊपरी मंजिल पर शिफ्ट बारिश की संभावित परेशानी को देखते हुए तमाम लोग घरों में ताला लगा कर दूसरी जगहों पर चले गए हैं जबकि बड़ी संख्या में सुरक्षित ठिकाना तलाश रहे हैं। कॉलोनी के करीब एक दर्जन से अधिक घरों में लटक रहे ताले यहां की समस्या की तस्दीक कर रहे हैं। लोगों ने बताया कि कई साल से बारिश के दिनों में होने वाली परेशानी को देखते हुए लोग तीन चार माह के लिए किराए का कमरा लेकर वहां शिफ्ट हो जाते हैं और बारिश का सीजन खत्म होने के बाद ही अपने घरों को लौटते हैं। इस बार भी बारिश शुरू होने के पहले ही कई लोग कॉलोनी छोड़ चुके हैं। वहीं कई परिवारों ने घर की दूसरी मंजिल पर सामान शिफ्ट कर लिया है। दरवाजे के आगे खड़ी कर तीन फीट की दीवार जाफरी कॉलोनी के लोगों की परेशानी का इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि हर तरफ से निराश हो चुके लोगों ने परेशानी को देखते हुए अपने घरों के दरवाजे के आगे तीन फीट ऊंची दीवार खड़ी दी है ताकि पानी घर में प्रवेश न कर सके। दरवाजा ही नहीं, हर वह जगह जहां से पानी घुस सकता है वहां दीवार खड़ी कर दी गई है। करीब आधा दर्जन घरों में अब भी लोग दरवाजे के सामने दीवार बनवाते नजर आए। लोगों ने बताया कि सड़क पर जमा पानी तो निकल जाता है लेकिन जो पानी घर में चला आता है वह नहीं निकल पाता। घर के अंदर करीब तीन फीट तक पानी भर जाता है जिससे बचने के लिए दीवार खड़ी की गई है। लोगों को अपने दरवाजे के आगे दीवार खड़ी करनी पड़े तो समस्या किस कदर गंभीर होगी इसका सहज अनुमान लगाया जा सकता है। बिक गए कई मकान, कुछ बिकने की कतार में कॉलोनी में हर साल जलभराव की समस्या को झेल चुके तमाम लोग अपना मकान बेच कर दूसरी जगह जा चुके हैं। तमाम लोग अपना मकान बेचना चाहते हैं लेकिन वाजिब दाम न मिलने के कारण मजबूरी में यहां रह रहे हैं। लोगों ने अपने खून पसीने की कमाई से किसी तरह आशियाना बनाया लेकिन जितनी पूंजी लग उतना दाम भी नहीं मिल पा रहा है। कुछ लोगों ने हर साल कई माह तक परेशान रहने की बजाय एक बार नुकसान उठाना बेहतर समझा और नफा नुकसान को दरकिनार कर औने पौने दाम पर अपना मकान बेच कर निकल लिए । जिनके मकान नहीं बिक पाए वह मजबूरी में रुके रह गए है। शिकायतें –बारिश होने पर नालों से गंदा पानी कॉलोनी और घरों में घुस आता है। –नालों की सफाई नहीं हो रही है, चौम्बरों के ढक्कन अरसे से नहीं खुले हैं। –नालों पर पक्का निर्माण ओर सड़क बनने से सफाई नहीं हो पा रही है। –बारिश के दौरान विषैले जीव जन्तुओं के साथ दुर्घटना का खतरा बना रहता है। समाधान – –स्थायी निदान होने तक पम्प लगाकर पानी निकालने की वैकल्पिक व्यवस्था की जाए। –चोक नालों की सिल्ट हटाई जाए और चौम्बरों की नियमित सफाई कराई जाए। –नालों से पक्के निर्माण को हटाकर खोला जाए ताकि मशीने वहां तक पहुंच सकें। –बारिश के समय बिजली कटौती कम की जाए, सड़क पर सोलर लाइट लगाई जाए। ––हमारी भी सुनें––– दो दिन पहले हालत ऐसे थे कि हम लोग घर से निकल नहीं पा रहे थे। पूरी कॉलोनी में पानी भरा हुआ था। यह समस्या हर साल झेलनी पड़ती है। अगर विभाग ध्यान दें तो समस्या का समाधान हो जाए लेकिन जिम्मेदार नजर अंदाज कर रहे हैं।–मो. युनुस बारिश का मौसम आते ही हमारी परेशानी शुरू हो जाती है। बारिश में कई दिन तक पानी सड़क पर लगा रहता है जिससे घर से निकलना मुश्किल हो जाता है। हम लोग हर साल की इस समस्या से तंग आ चुके हैं इसका स्थाई समाधान जरूरी है।–एमआर सिद्दीकी बारिश आते ही हमारी परेशानी शुरू हो जाती है। दो दिन पहले भी घर के अंदर नाले का पानी चला आया था। घर के सामान खराब हो गए। यही कारण है कि काफी लोग अपने घर बंद कर दूसरी जगह चले गए हैं जो बारिश के बाद वापस लौटेंगे।–नदीम अहमद हर साल बारिश आते ही परेशानी शुरू हो जाती है। अभी बारिश शुरू हुई है और हम लोग कीचड़ साफ करते–करते परेशान हो गए हैं। कीचड़ निकालने के लिए वाइपर चलाते–चलाते हाथ में छाले पड़ गए हैं। समस्या का स्थायी निदान जरूरी है।–महफूज आलम बारिश आती है तो हम लोगों के लिए आफत आ जाती है। सड़क पर पानी भरा रहने से घर से नहीं निकल पाते। अक्सर नाले का गंदा पानी घर में घुस आता है। घर में पानी न घुसे इसके लिए दीवार खड़ी कर दी लेकिन पानी घर में फिर भी चला आया।–मो. शहनवाज सिद्दीकी हर साल बारिश में कॉलोनी में पानी लग जाता है, इसकी बराबर शिकायत की जा रही है। निगम के जिम्मेदार भी इस समस्या से वाकिफ हैं लेकिन कुछ कर नहीं रहे हैं जिससे समस्या नहीं सुलझ रही है और हम लोगों को परेशान होना पड़ रहा है।–इसरार अहमद समस्या इतनी गंभीर है कि लोग अपने मकान बेच कर जा रहे हैं। कॉलोनी के कई मकान बिक चुके हैं और कई बिकने के लिए तैयार हैं लेकिन वाजिब कीमत नहीं मिलने से लोग फंसे हैं। लगातार शिकायत के बाद भी निगम के अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं।–जाबिर अहमद

हिंदी में शशि भूषण व अंग्रेजी में अंशिका ने किया टॉप

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) और संघटक महाविद्यालयों में पीजीएटी–1 के तहत 31 पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए शुक्रवार को घोषित परिणाम किए गए। हिंदी में 224 अंकों के साथ शशि भूषण ने और अंग्रेजी भाषा में 202 अंकों के साथ अंशिका सिंह ने टॉप किया है। वहीं, अंग्रेजी साहित्य में दिशा द्विवेदी ने 222 अंकों के साथ अव्वल रहीं। परास्नातक के विषयों में प्रवेश के लिए पहली बार समर्थ पोर्टल के माध्यम से काउंसलिंग कराई जाएगी।

वहीं, प्राचीन इतिहास में ज्योति पांडेय ने 184 अंकों के साथ टॉप किया है, एंथ्रोपोलॉजी (मनुष्य जाति का विज्ञान) में मयंक मिश्रा ने 194 अंकों के साथ, बॉटनी में चंदा यादव ने 212 अंकों के साथ, रसायन विज्ञान में बोधिस्त्वा ने 186 के साथ और कंप्यूटर साइंस में प्रज्ञा पांडेय ने 190 के साथ टॉप किया है।

रक्षा अध्ययन में ओम केसरवानी ने 230 अंकों के साथ टॉप किया है। अर्थशास्त्र में सूरज कुमार तिवारी ने 226 अंकों के साथ, शिक्षाशास्त्र में अंशिका पटेल ने 162 अंकों के साथ, भूगोल में अमन यादव ने 200 अंकों के साथ और गणित में रिया यादव ने 198 अंकों के साथ टॉप किया है। एमएड और एमओड इतिहास विषय में हरिओम नायक ने 188 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया।

संस्कृत में अदिति व मनोविज्ञान में प्रिया रहीं शीर्ष

प्रवेश परीक्षा में संस्कृत विषय में अदिति मिश्रा ने 249.9 अंकों के साथ और मनोविज्ञान में प्रिया मंडल ने 238 अंकों के साथ टॉप किया। पेंटिंग में रेनू भारतीया ने 159.6 अंक, दर्शनशास्त्र में अमनदीप कौर ने 194 अंक, राजनीति विज्ञान में जुनैद मंसूरी ने 246 अंक, समाजशास्त्र में तनुजा सिंह ने 216 अंक और जूलॉजी में अनन्या सिंह ने 204 अंक हासिल कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया है।

संगीत में नागमनी, खुशी व प्रियांशी रहीं अव्वल

परास्नातक में संगीत विषय के म्यूजिक वोकल में नागमनी गौतम ने 200 अंक हासिल कर प्रवेश परीक्षा में टॉप किया। वहीं, पीजी म्यूजिक सितार में प्रियांशी सिंह ने 246 अंकों के साथ और पीजी म्यूजिक और एमपीए में खुशी साहू ने 222.6 अंकों के साथ टॉप किया है।

भौतिक और उर्दू में संयुक्त टॉपर

भौतिक विज्ञान और उर्दू में दो–दो अभ्यर्थियों ने संयुक्त रूप से टॉप किया है। भौतिक विज्ञान में शिवम पांडेय और अमन कुमार तिवारी ने 192 अंकों के साथ संयुक्त रूप से टॉप किया। वहीं, उर्दू में रोजी और साइरा बानो ने 160 अंकों के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल किया है।

प्रवेश परीक्षा के परिणाम में बेटियों का दबदबा

इविवि और संघटक महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए आयोजित परीक्षा में बेटियों का दबदबा रहा। प्राचीन इतिहास, बॉटनी, कंप्यूटर साइंस, अंग्रेजी, गणित, उर्दू, संस्कृत समेत कुल 31 विषयों में से 17 में बेटियों ने सर्वाधिक अंक हासिल किए हैं। वहीं, 14 विषयों में बेटे अव्वल रहे।

249.9 अंकों के साथ अदिति को मिले सर्वाधिक अंक

प्रवेश परीक्षा में सबसे ज्यादा संस्कृत विषय में 249.9 अंक अदिति मिश्रा ने हासिल किए। दूसरे नंबर पर राजनीति विज्ञान के जुनैद मंसूरी और एमए म्यूजिक सितार की प्रियांशी सिंह रहीं। दोनों ने 246 अंक प्राप्त किए। वहीं, तीसरे नंबर पर 238 अंकों के साथ मनोविज्ञान विषय की प्रिया मंडल रहीं।

थाने में भूमाफिया बैठे तो थानेदार पर गिरेगी गाज

प्रयागराज। जमीन पर अवैध कब्जों की लगातार शिकायतों व थाना पुलिस पर लगने वाले आरोपों को देखते हुए जिला पुलिस के आला अधिकारी अब एक्शन के मूड में हैं। पुलिस आयुक्त ने साफ संदेश दिया है कि किसी भी थाने में भूमाफिया के बैठने की जानकारी मिली तो थानेदार पर गाज गिरेगी। गोपनीय ढंग से इसकी जांच कराई जाएगी और अफसर औचक निरीक्षण भी करेंगे। पुलिस आयुक्त के निर्देश के बारे में शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये सभी थानेदारों को जानकारी दी गई। कहा गया कि लगातार इस तरह की शिकायतें पहुंच रही हैं। जमीन पर अवैध कब्जा करने के लिए कुख्यात लोगों की थाने के पुलिसकर्मियों से साठगांठ की शिकायतें मिल रही हैं। इस कार्यशैली में तत्काल सुधार की जरूरत है। ऐसा नहीं हुआ तो संबंधित पुलिसकर्मी सख्त कार्रवाई के लिए तैयार रहें।

अपर पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था डॉ. अजयपाल शर्मा जिले के सभी थानेदारों से ऑनलाइन रूबरू हुए। कहा कि थानों में भूमाफिया या आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों का प्रवेश निषेध करें। कुछ थानों के संबंध में शिकायतें मिली हैं और इस व्यवस्था में तत्काल बदलाव करें। इसकी गोपनीय ढंग से जांच कराई जाएगी और थानों का औचक निरीक्षण किया जाएगा। कहीं भी अगर निर्देशों के अनुपालन में लापरवाही पाई गई तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, अफसरों के एक्शन मोड में आने की वजह लगातार मिल रहीं शिकायतें व जमीनों पर अवैध कब्जे के सामने आ रहे प्रकरण हैं। हाल फिलहाल में ऐसे कुछ मामले सामने आए हैं, जिनमें बेखौफ भूमाफिया के सरकारी जमीनों पर कब्जे करने की बात पता चली। एयरपोर्ट व करेली में गैंगस्टर एक्ट में कुर्क जमीनों पर अवैध कब्जे की बात सामने आई। अतीक के भाई अशरफ की गैंगस्टर में कुर्क जमीन बेचकर कॉलोनी बसाने का मामला पिछले साल सामने आया था। इसे देखते हुए ही अफसरों ने सख्त लहजे में चेतावनी जारी की है।

अतीक के पूर्व गुर्गे जैद खालिद समेत छह पर एफआईआर

प्रयागराज। रसूलपुर मरियाडीह उपरहार क्षेत्र में प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) की ओर से तीन बार की गई ध्वस्तीकरण कार्रवाई के बावजूद अवैध प्लाटिंग का सिलसिला नहीं थमा। अब इस मामले में कभी अतीक के करीबी रहे जैद खालिद, संजय यादव उर्फ गुड्डू, इतंखाब अहमद, फहीम अहमद, उदय यादव सहित अन्य के खिलाफ पूरामुफ्ती थाने में मुकदमा दर्ज करा दया गया है। अवर अभियंता विनोद कुमार गुप्ता की तहरीर में बताया गया है कि पीडीए के जोन–1/उपजोन–1बी क्षेत्र में निरीक्षण के बाद सबसे पहले 7 जनवरी 2022 को अवैध निर्माण की जानकारी सामने आई थी। इसके बाद 4 अप्रैल 2022 को ध्वस्तीकरण आदेश पारित किया गया। प्रशासन ने 8 जनवरी 2024, 5 मार्च 2025 और 9 अप्रैल 2025 को तीन बार मौके पर जाकर निर्माण कार्य ध्वस्त कराया, लेकिन निर्माण दोबारा शुरू कर दिया गया। विपक्षियों ने बिना लेआउट पास कराए बार–बार निर्माण कार्य कर न केवल कानून का उल्लंघन किया, बल्कि प्रशासनिक आदेशों की अवहेलना भी की। रसूलपुर मरियाडीह की आराजी संख्या 92 पर स्थित ईवीएम/वीवीपैट गोदाम की भूमि पर मिट्टी डालकर रास्ता बनाए जाने की शिकायत पर भी कार्रवाई हुई है। लेखपाल सुधीर कुमार और हरीश की ओर से दी गई तहरीर में बताया गया कि उक्त कार्य मोहम्मद जाफर पुत्र खालिद निवासी बमरौली सदर प्रयागराज और उसके सहयोगियों की ओर से कराया जा रहा था। इस मामले में भी पूरामुफ्ती थाने में एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

मजबूरी में उपस्थित न होने वाले कर्मचारी को कदाचार का दोषी नहीं ठहरा सकते: हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि मजबूर करने वाली परिस्थितियों के कारण यदि कोई कर्मचारी अनुपस्थित रहता है और वह अपना दायित्व पूरा नहीं कर पाता है तो उसे कदाचार का दोषी नहीं ठहरा सकते। यह टिप्पणी करते हुए न्यायालय ने आगरा जिला सहकारी बैंक लिमिटेड के कर्मचारी की बर्खास्तगी को रद्द करते हुए उसे तत्काल सेवा में बहाल करने का आदेश दिया। साथ ही 50 प्रतिशत बकाया वेतन का भुगतान करने का निर्देश दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर की एकल पीठ ने विनोद कुमार मिश्रा की याचिका पर दिया। आगरा स्थित जिला सहकारी बैंक लिमिटेड में याची क्लर्क–सह–कैशियर के पद पर कार्यरत था। 5 सितंबर, 2021 को हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की ओर से एनडीपीएस एक्ट तहत एक आपराधिक मामले में गिरफ्तार कर लिया। याची को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया और 28 जून, 2024 को बरी होने तक उसे जेल में रहना पड़ा। इस अवधि के दौरान, बैंक अधिकारियों ने याची की अनुपस्थिति को अनाधिकृत मानते हुए अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू की। उन्हें ड्यूटी पर लौटने के लिए कई नोटिस भेजे गए और विभागीय जांच में भाग लेने के लिए भी कहा गया। याची जेल में होने के चलते उपस्थित नहीं हो पाया। याची के परिवार ने बैंक को उनकी गिरफ्तारी की सूचना दे दी थी। बैंक ने 28 दिसंबर 2023 को बिना सूचना अनुपस्थित रहने पर कदाचार का दोषी ठहराते हुए बर्खास्त कर दिया। जेल से छूटने के बाद याची ने इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी। न्यायालय ने सुप्रीम कोर्ट के कृष्णाकांत बी. परमार बनाम यूनियन ऑफ इंडिया मामले का भी हवाला दिया, जिसमें यह माना गया था कि अनाधिकृत अनुपस्थिति को कदाचार तभी माना जा सकता है, जब यह जानबूझकर हो और मजबूर करने वाली परिस्थितियों का परिणाम न हो। अदालत ने कहा कि जिस अवधि के लिए याची पर अनाधिकृत अनुपस्थिति का आरोप लगाया गया था, उस पूरी अवधि में वह न्यायिक हिरासत में थे, इसलिए वह ड्यूटी पर उपस्थित होने की स्थिति में नहीं थे। कोर्ट ने 28 दिसंबर, 2023 के बर्खास्तगी आदेश को रद्द कर दिया।

अनिल मंत्री के साथ खड़ा रहेगा अति पिछड़ा वर्ग: मोहन प्रजापति

मुजफ्फरनगर। आज भारतीय अति पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहन प्रजापति ने एक बयान में कहा हे कि जो लोग केबिनेट मंत्री अनिल कुमार वे सदर एसडीएम निकिता शर्मा

विवाद को जातिगत रंग दें रहे हे वह गलत हे मंत्री अनिल कुमार ने क्षेत्र के लोगों की आवाज उठाई हे ओर जब केबिनेट मंत्री अनिल कुमार ने एसडीएम निकिता शर्मा पर भ्रष्टाचार व भूमाफियो का साथ देने का आरोप लगाया हे तो कुछ तो बात जरूर होगी नहीं तो एक जिम्मेदार व्यक्ति किसी पर ऐसे आरोप नहीं लगा सकता वही उन्होंने ने कई बार लोगों की कई समस्याओं को लेकर एसडीएम निकिता शर्मा को फोन किया तो या तो काट दिया गया या उठाया नहीं गया उन्होंने कहा हे कि एसडीएम का रवैया ठीक नहीं हे ऐसे अधिकारी की जॉच कर तुरंत हटाया जाए ओर जब कोई व्यक्ति ओर वह भी सरकार का किसी अधिकारी पर भ्रष्टाचार को लेकर अंगुली उठाई जाती हे तो शासन को उस पर गंभीरता से जांच करानी चाहिए वहीं लोगों को भी इसे जातिवाद का रंग नहीं देना चाहिए वहीं मंत्री अनिल ने भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ आवाज उठाई हे यह सराहनीय कार्य हे वहीं कुछ लोग जो मंत्री के खिलाफ खड़े हे उन्हें दलित अति पिछड़ों की आवाज उठाने वाला मंत्री हजम नहीं हो रहा हे जबकि मंत्री ने जनता की आवाज उठाई हे ओर उनका संगठन पूर्व रूप से मंत्री अनिल के साथ हे दलित पिछड़ा मंत्री के साथ हमेशा खड़ा था और खड़ा रहेगा।

आरेडिका में प्रमोटी अधिकारी संघ की ईसीएम का आयोजन

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली के अधिकारी क्लब में आरेडिका के प्रमोटी अधिकारी संघ की मीटिंग का आयोजन दिनांक– 28.06.2025 को किया गया। जिसमें महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में एवं प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी रूपेश श्रीवास्तव विषिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। मीटिंग में भारतीय रेलवे प्रमोटी अधिकारी महासंघ के केन्द्रीय पदाधिकारी तथा विभिन्न रेलवे से प्रमोटी अधिकारी महासंघ के पदाधिकारी सम्मिलित हुए। भारतीय रेलवे प्रमोटी अधिकारी महासंघ के अध्यक्ष दीपक राज राय, जनरल सैक्रेटरी अमित जैन एवं वरिष्ठ सलाहकार एच सी यादव ने मीटिंग में सहभागिता की। आरेडिका प्रमोटी अधिकारी संघ के अध्यक्ष आर.एन. तिवारी, सचिव महाप्रबन्धक एवं मुख्य जनसंपर्क अधिकारी एवं जनरल सैक्रेटरी एल.बी. सिंह मौर्या उप मुख्य इंजीनियर सिविल ने सभी आगुन्तको का स्वागत किया।

मीटिंग में आरेडिका प्रमोटी अधिकारी संघ की नई कार्यकारणी का गठन किया गया जिसमें सर्वसम्मति से एन.के. वर्मा उप मुख्य यांत्रिक अभियंता को आरेडिका महासंघ के अध्यक्ष, अनिल श्रीवास्तव जनसम्पर्क अधिकारी को महासंघ का जनरल सेक्रेटरी, संतोष कुमार गुप्ता सहायक वित सलाहकार को कोषाध्यक्ष, सतिन्द्र कुमार को उपाध्यक्ष, राम रंजन, नीरज श्रीवास्तव, मुकेश वर्मा, दिनेश कुमार, को संयुक्त सचिव के रूप में चुना गया।

इक्जीक्यूटिव कमेटी मीटिंग में आरेडिका के प्रमोटी आफिसर्स से संबंधित मुददों पर विस्तृत चर्चा हुई एवं समाधान स्वरूप निर्णय लिये गये। इस मीटिंग में भारतीय रेलवे प्रमोटी अधिकारी महासंघ के केन्द्रीय पदाधिकारियों ने भारतीय रेल में संगठन के लिए किये जा रहे कार्यों के एवं प्रगति के बारे में बताया गया।

संगठन के वित सचिव श्री संतोष गुप्ता ने संगठन के आय व्यय संबंधित विवरण प्रस्तुत किये। आरेडिका के महाप्रबन्धक प्रशान्त कुमार मिश्रा ने अपना अमुल्य समय देकर अधिकारियों का मार्गदर्शन किया। आरेडिका प्रमोटी आफिसर्स एसोसियेशन ने संगठन के लिए उनके सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इसके साथ–साथ सायं में आरेडिका से इस जून माह में रेल सेवा से सेवानिवृत्त हो रहे 4 वरिष्ठ अधिकारियों जिनमें मनोज कुमार पाण्डेय, चीफ प्लानिंग इंजीनियर, शिशिरकांत मिश्रा चीफ क्वालिटी मैनेजर, एल बी सिंह मौर्या उप मुख्य इंजीनियर सिविल एवं विनय कुमार सैनी सहायक कार्यशाला प्रबन्धक हैं का प्रमोटी आफिसर्स एसोसिएशन की ओर से विदाई कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

लोक नाट्य नौटंकी कलयुग की मैडम की शानदार प्रस्तुति पर झूमे दर्शक

प्रयागराज। आम जनमानस में पारम्परिक लोककलाओं की जागरूकता अभियान के तहत संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली के सहयोग से सर्वस्व लोक कल्याण स्वैच्छिक संस्था ने अपने प्रयास को जारी रखा। इसी प्रयास में संस्था के कलाकारों ने नौटंकी 'कलयुग की मैडम' की शानदार प्रस्तुति की। इस नौटंकी का निर्देशन वरिष्ठ रंगकर्मी तेजेंद्र सिंह 'तेजू' ने किया। लेखक राम सूरत पायल के इस नौटंकी का मंचन आज सांस्कृतिक मंच म्योहर में हुआ।

कलाकार पितई लाल, रमेश कुमार, भायंकर सिंह, शिव कुमार, शिवाकान्त, रामजस, बालेन्द्र कुमार, रामअभिलाष, संदीप कुमार, शिवप्रकाश, शिवभवन, कृष्णा, गया प्रसाद पाल, छितानी लाल, अनन्त कुमार, भैरव प्रसाद आदि ने अपनी–अपनी भूमिका से न्याय किया। नौटंकी को सजाने में हारमोनियम वादक सन्तोष कुमार (गंगा मास्टर), ढ़ोलक पर रज्जन, नक्कारे पर राम विशाल तथा आर्गन पर राजेन्द्र ने अहम भूमिका निभाई। नौटंकी का मुख्य उद्देश्य समाज को जागरुक करते हुए माता–पिता पर हो रहे अत्याचार को रोकना है। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि म्योहर के ग्राम प्रधान बलराम सिंह संगरौर ने दीप प्रज्वलित कर किया। संस्था के सचिव तेजेन्द्र सिंह तेजू के इस प्रयास की उन्होंने भूरि–भूरि प्रशंसा की तथा समाज से अपनी पारम्परिक लोककलाओं को जीवित रखने के लिए अनुशंसा की। कार्यक्रम में मंच निर्माण एवं सज्जा अभिषेक सिंह, मिलानन्द महाराज, सुनील मिश्रा, वस्त्र विन्यास ज्ञानमती, रूप सज्जा दिलीप श्रीवास्तव, मंच सामग्री अनन्त एवं रामअभिलाष, प्रकाश संचालन सुबोध सिंह, प्रचार–प्रसार जय करन एवं रूपेश, कार्यक्रम संयोजक जितेन्द्र सिंह तथा मंच संचालक कौशिक भट्टाचार्य जी रहे। विशिष्ट अतिथियों में समाज सेवी अंशुमान सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष मुकेश सिंह, अधिवक्ता व समाजसेवी रामेश्वर सिंह तथा विख्यात कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा ने इस नाटक को शिक्षाप्रद एवं समाज सुधार का माध्यम बताते हुए इसकी हृदय से सराहना की।

3 जुलाई को डीह बलई का निरीक्षण करेंगे लोकपाल

परियोजना निदेशक के साथ ग्राम चौपाल में प्रतिभाग कर समस्याओं का करेंगे समाधान

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा समाज शेखर बाबागंज ब्लाक के डीह बलई जायेंगे। ग्राम से आई गंभीर व संवेदनशील शिकायतों का भ्रमण कर स्थलीय निरीक्षण करेंगे। तदोपरांत वह ब्लाक के मनरेगा प्रभारी परियोजना निदेशक के साथ ग्राम में आयोजित चौपाल में प्रतिभाग कर शिकायतों के संदर्भ में संबंधितो के आवश्यक बयान व साक्ष्य लेंगे। साथ ही ग्रामीणों व मजदूरो की अन्य शिकायतों को सुनकर निवारण करेंगे।

लोकपाल समाज शेखर ने विकास भवन स्थित मनरेगा कार्यालय में बाबागंज ब्लाक के डीहबलई ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान व सचिव का लिखित बयान लिया और उनका पक्ष सुना। तकनीकी सहायक के अनुपस्थित रहने पर कारण बताओ नोटिस जारी कर यथाशीघ् बयान दर्ज कराने हेतु अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी संतोष कुमार को निर्देश दिया। ब्लाक के मनरेगा प्रभारी परियोजना निदेशक डी आर यादव से वार्ता कर लोकपाल ने 3 जुलाई को ग्राम में चौपाल लगाए जाने का निर्णय लिया। लोकपाल ने बीडीओ को स्पष्ट निर्देश दिया है कि शिकायतों में संदर्भित सभी बालिग व नाबालिग मजदूरो को पंचायत भवन में बयान तथा अपना पक्ष रखने हेतु लिखित रूप से सूचित कर आमंत्रित किया जाए। वहीं चौपाल में ग्राम के समस्त मजदूरों व ग्राम वासियों को सार्वजनिक रूप से सूचित कराया जाए।

साथ ही ग्राम चौपाल के संदर्भ स्थानीय पुलिस थाना को सूचना देने व सुव्यवस्था के साथ नियमानुसार आयोजित करने का निर्देश दिया। वहीं लोकपाल ने समस्त ग्राम वासियों से ग्राम से आई गंभीर शिकायत के समाधान में सहयोग व सहभागिता की अपील की है। शिकायत के संदर्भ में लोकपाल ने सीयूजी नंबर 8188067730 जारी कर जन सामान्य व ग्राम वासियों से आवश्यक तथ्य व साक्ष्य तथा बयान की अपेक्षा की है।

आरेडिका में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की त्रैमासिक बैठक व ''प्रगति'' पत्रिका का विमोचन

रायबरेली। आरेडिका में महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की त्रैमासिक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें आरेडिका की राजभाषा गतिविधियों एवं प्रगति की समीक्षा की गई। इसके साथ ही राजभाषा के प्रचार–प्रसार एवं लेखन कौशल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से त्रैमासिक प्रकाशित होने वाली गृह पत्रिका ''प्रगति'' के जून–2025 अंक का विमोचन महाप्रबंधक महोदय के कर –कमलों द्वारा किया गया।

इस पत्रिका में मौलिक रचनाओं यथा कविता, कहानियाँ, संस्मरण, प्रेरक लेख इत्यादि को शामिल किया गया है। महाप्रबंधक महोदय ने ''प्रगति'' पत्रिका के इस अंक में प्रकाशित रचनाओं के रचनाकारों की सराहना की। इसी के साथ महाप्रबंधक महोदय ने स्वयं के लिखे एक लेख ब्रिटिश कालीन भारत में बने पहले कोच के निर्माण की शुरूआत के संबंध में विस्तृत रुप से बताया।

इस बैठक में ही महाप्रबंधक महोदय ने सांस्कृतिक संगठन

की टीम को क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, भुसावल में आयोजित अखिल भारतीय रेल नाट्योत्सव में सर्वश्रेष्ठ स्क्रिप्ट लेखन का पुरस्कार प्राप्त करने के उपलक्ष्य में प्रशस्ति पत्र प्रदान किये एवं प्रदर्शन के लिए बधाई दी और अच्छा करने के लिए प्रेरित किया।

बैठक में आरेडिका के प्रधान मुख्य यांत्रिक अभियंता विवेक खरे, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अतुल प्रियदर्शी, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक राकेश राजपुरोहित, प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता मनोज कुमार जिंदल, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रमेश चन्द्र, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी रूपेश श्रीवास्तव, प्रधान मुख्य अभियंता सत्य प्रकाश यादव, प्रधान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 आभा जैन, वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी अरविन्द कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी एवं वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक अकमल वदूद, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी अष्टानन्द पाठक,सचिव महाप्रबंधक आरएन तिवारी, जनसंपर्क अधिकारी अनिल कुमार श्रीवास्तव व राजभाषा अधिकारी राकेश रंजन उपस्थित रहे।

17 दिन की साधना से बना जगन्नाथ रथ – मैगजीन पाइप और अख़बार की स्टिक से रची अद्भुत कृति

मुज़फ्फरनगर। कलाकार जब श्रद्धा और कल्पना से जुड़ जाए, तो रचाव केवल कला नहीं बल्कि आस्था बन जाता है। ऐसा ही उदाहरण प्रस्तुत किया है मुज़फ्फरनगर के युवा कलाकार तुषार शर्मा ने, जिन्होंने मैगजीन पाइप और अख़बार की स्टिक से भगवान श्री जगन्नाथ जी का भव्य रथ तैयार किया है।

तुषार ने इस रथ को बनाने में 17 दिनों तक दिन–रात अथक परिश्रम किया। यह रथ सिर्फ एक मॉडल नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और पर्यावरण के प्रति समर्पण का प्रतीक बन गया है।

रथ की विशेषताएं– कला और परंपरा का संगम

रथ के आगे लगाए गए चार घोड़े, पूरी भव्यता के साथ रथ को खींचते प्रतीत होते हैं।

शिखर पर लहराता ध्वज, उसके नीचे की बारीकी से बनी परतें, और ऊपर की लाइटिंग इसे दिव्य आभा प्रदान करती

हैं।

रथ के पीछे दोनों ओर बनाई गई सीढ़ियां, शास्त्रीय रथ शिल्प की याद दिलाती हैं।

सिंहासन, मंडप, मुख्य द्वार, सजावटी फ्रेम और बॉर्डर, सब कुछ पेपर से गढ़ी गई असाधारण रचनाएं हैं।

रीसायकल से रचा आध्यात्म – वेस्ट टू वंडर

तुषार शर्मा का यह प्रयास केवल कला नहीं, बल्कि एक विचारधारा है कृ कि रचनात्मकता और श्रद्धा मिलकर कचरे को भी कंचन बना सकती हैं। इस रथ में किसी भी प्रकार की लकड़ी, प्लास्टिक या धातु का उपयोग नहीं हुआ। संपूर्ण रचना पर्यावरण–संवेदनशील रीसायकल सामग्री से की गई है।

सोशल मीडिया पर मिला जबरदस्त समर्थन

इस रथ निर्माण की हर स्टेप को तुषार ने वीडियो के रूप में रिकॉर्ड कर अपने सोशल मीडिया चौनलों पर साझा किया है। इन वीडियोज़ को अब तक हजारों लोगों ने देखा और सराहा है। कई लोग इसे "श्रद्धा से सजी शिल्पकला" कह रहे हैं।

भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा

तुषार का यह रथ न केवल कला प्रेमियों के लिए, बल्कि हर युवा के लिए एक प्रेरणा है कृ कि कला का माध्यम कुछ भी हो सकता है, अगर इरादा पवित्र हो। इस तरह का प्रयास भारतीय लोक संस्कृति और पर्यावरण–संरक्षण के लिए भी मिसाल बन सकता है।

चाकू से गोदकर युवक की हत्या, खाली प्लॉट में मिला शव

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के मदेयगंज इलाके में युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। पुरानी रंजिश के चलते हत्या की वजह सामने आ रही है। युवक मुंबई में रहता है, पेशी पर लखनऊ आया हुआ था। पुलिस मृतक के भाई वसीम की तहरीर पर मुकदमा दर्ज करके मामले की जांच कर रही है। रायबरेली निवासी मृतक के भाई ने तहरीर में बताया कि शाबिर अली मुंबई में जॉब करता है। शुक्रवार–शनिवार रात 2.30 शाबिर का शव मदेयगंज इलाके में खाली प्लॉट में पड़ा मिला। शाबिर पर एक हत्या का मुकदमा चल रहा था। जिसके चलते वो लखनऊ आया था। मृतक के भाई की तहरीर पर पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। हत्या की वजह पुरानी रंजिश सामने आ रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। डीसीपी सेंट्रल आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि देर रात करीब 2.30 बजे पुलिस को सूचना मिली कि एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई है। मौके पर पुलिस अधिकारी पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर अज्ञात शव की पहचान कराई गई। जिसकी पहचान रायबरेली निवासी शाबिर के रूप में हुई।

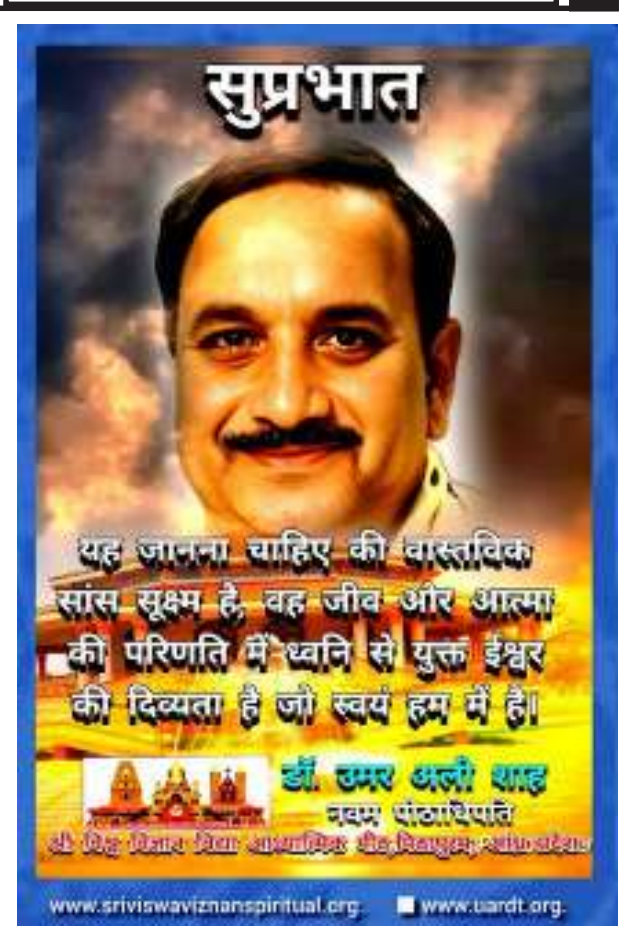

गुलाब ख़ास

(कुण्डलिया)

फल की एक प्रजाति है, 'गुलाब खास' सुनाम।
त्वचा गुलाबी लाल है,भार चार सौ ग्राम।
भार चार सौ ग्राम,आम है प्यारा प्यारा।
खुशबू भरे गुलाब, महकता है जग सारा।
सुन लो कहें प्रदीप,महक ही इसकी अपनी।
बन करके पहचान, बखाने गुण इस फल की।।

कच्चे में भी है महक, पक्का खुशबूदार।
आम 'गुलाब खास' रखे,मीठा प्रिय व्यवहार।
मीठा प्रिय व्यवहार,गुलाबों सी खुशबू भर।
महकाता संसार,स्वाद का राजा बनकर।
सुन लो कहें प्रदीप, आम दिखने में अच्छे।
महँगा है यह आम,न खाएँ इसको कच्चे।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

माहे मुहर्रम बहुत सी कुर्बानियों को याद दिलाता है : मौलाना मो. सुफयान

लखनऊ, (संवाददाता)। साहाबा क्राम के एहसानात पूरी मानवता पर हैं। इन्सानों की इस पवित्र जमाअत ने अल्लाह के अंतिम पैगम्बर सल्ल0 से इस्लाम धर्म को अच्छी तरह सीख कर उसके प्रचार एवँ प्रसार के लिए जो अभूतपूर्व योगदान दिया है वह कभी मिटने वाला नही है। इन ख्यालात का इज्हार दारूल उलूम फरंगी महल के अध्यापक मौलाना मो0 सुफयान निजामी ने किया। वह आज जामा मस्जिद ईदगाह लखनऊ में दस दिवसीय जलसे ''शुहादा–ए–दीन–हक व इस्लाह–ए–मुआशरा'' के तहत दूसरे जलसे को खिताब कर रहे थे। उन्होने ने कहा कि मुहर्रम इस्लामी साल का पहला महीना है। मौलाना ने कहा कि इस पवित्र माह में जरूरी है कि हम सुन्नतों की पाबन्दी करें और बुराइयों और बिदअतों से अपने को और अपने घरवालों को बचायें। मौलाना ने कहा कि रसूल स॰ की शिक्षाओं के अनुसार आप के सहाबा ने जिस समाज की स्थापना की थी पूरी दुनिया को आज उसी समाज की आवश्यकता है। मौलाना ने कहा कि इस्लाम धर्म जिस तरह से किसी भी दौर में और किसी भी माहौल के बीच में मार्गदर्शन से अलग नही रहा है आज भी अलग नही है और हालात चाहे आज भी हजार दर्जे खराब हो जाये हमारी मार्गदर्शन के लिए अल्लाह की किताब और रसूल की सीरत काफी हैं। हमारी जिन्दगी का लक्ष्य शुरू से आखिर तक अल्लाह पाक की रजा को देखना है। उन्होने कहा कि सहाबाक्राम रजि0 से सच्ची मुहब्बत यह है कि हम उनके हालात का गहराई से अध्ययन करें ताकि उसके मुताबिक़ एक पवित्र और नेक मुआशरे को कायम कर सकें और हमारी दुनिया और आखिरत दोनों बेहतर हों। जलसे का आरम्भ दारून उलूम निजामिया फरंगी महल के उस्ताद क़ारी कमरूद्दीन की तिलावत कलाम पाक से हुआ। जलसे का संचालन क़ारी मो0 हारून निजामी ने किया और जलसा का अंत मौलाना मो0 सुफयान निजामी की दुआ पर हुआ।

यूपी में नया आर्बिटल रेल कॉरिडोर, यातायात में सुधार की दिशा में कदम

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी में नया ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर यातायात व्यवस्था में सुधार की दिशा में एक बड़ा कदम है इससे शहर का यातायात काफी सुगम हो जाएगा। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल योजना को जल्द ही लागू करेगा। यह आर्बिटल रेल कॉरिडोर शहर को चारों ओर से घेरते हुए बनाया जाएगा।लखनऊ में यातायात को बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। पहले से बने आउटर रिंग रोड के साथ अब रेलवे द्वारा आर्बिटल रेल कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा। रेलवे ने लखनऊ में कॉरिडोर के लिए अंतिम स्थान का सर्वेक्षण करने की अनुमति दी है।

इसका उद्देश्य शहर के चारों ओर एक रिंग के रूप में रेलमार्ग निर्माण करना है, जिससे शहर में ट्रेनों का दबाव कम होगा। इसके लिए रेलवे 4.25 करोड़ रुपये का निवेश करेगा।उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल इस योजना को जल्द ही शुरू करेगा। यह आर्बिटल रेल कॉरिडोर लगभग 170 किमी लंबा होगा और शहर को बाहरी घेरे में कवर करेगा, जैसा कि अन्य बड़े शहरों में होता है। लखनऊ के आसपास के रेलवे स्टेशन पूरे शहर को जोड़ेंगे, जिससे रेलवे का भार कम होगा।

सम्पादकीय.....

आतंक पर छद्म नीति

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीन के क्विंगदाओ में संपन्न शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ सम्मेलन समाप्ति के बाद जारी साझा बयान पर हस्ताक्षर करने से मना करके आतंकवाद पर भारतीय पक्ष को ही पुष्ट किया है। जिसके चलते दो दिवसीय सम्मेलन की समाप्ति पर ज्वाइंट स्टेटमेंट जारी नहीं हो सकी। दरअसल,भारत चाहता था कि अंतिम दस्तावेज में आतंकवाद को लेकर भारतीय चिंताओं को जगह दी जाए। रक्षामंत्री ने आतंकवाद की जड़ों पर प्रहार करने की भारत की नई नीति की रूपरेखा सम्मेलन में रखी। उनका कहना था कि संगठन के सदस्य देशों को सामूहिक सुरक्षा से उत्पन्न चुनौती के मुकाबले के लिये एकजुट होना चाहिए। उनका मानना था कि कट्टरता, उग्रवाद और आतंकवाद हमारी शांति, सुरक्षा और विश्वास को कम कर रहे हैं। यह भी कि आतंकवाद पर तार्किक प्रहार किए बिना सदस्य देशों में शांति व समृद्धि संभव नहीं है। उन्होंने उन तत्वों को बेनकाब करने का प्रयास किया जो आतंकवाद को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के लिये उसे प्रश्रय देते हैं। उनका मानना था कि एससीओ आतंकवाद पर दोहरे मापदंड अपनाने के बजाय इसको प्रश्रय देने वाले देशों की आलोचना करे। सम्मेलन में रक्षामंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर की तार्किकता को बताया और पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले में पर्यटकों को धार्मिक पहचान के आधार पर गोली मारी गई। जिसकी जिम्मेदारी संयुक्त राष्ट्र द्वारा आतंकी समूह घोषित लश्कर–ए–तैयबा से जुड़े टीआरएफ ने ली थी। इसके बाद भारत ने फैसला किया कि हम आतंकवाद के केंद्रों को निशाना बनाने से पीछे नहीं हटेंगे। उनका मानना था कि आतंकवाद पर दोहरा रवैया अपनाए बिना एससीओ को पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करनी चाहिए। दरअसल, पहलगाम आतंकी हमले के प्रतिकार में भारत द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब पाकिस्तान पोषित आतंकवाद को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त करने के लिये तैयार नहीं है। पहलगाम की घटना दुनिया के सामने स्पष्ट थी और दुनिया के तमाम देशों ने इसकी निंदा भी की। लेकिन पाकिस्तान और उसके करीबी सहयोगियों के नापाक इरादों को दुनिया को बताने तथा भारत की बात हर देश तक पहुंचाने के लिए हमने बहु–पक्षीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर में भेजे। लेकिन पाकिस्तान के सदाबहार दोस्त चीन के दबदबे वाले शंघाई सहयोग संगठन ने सम्मेलन के समापन पर जारी ज्वाइंट स्टेटमेंट में पहलगाम की घटना को नजरअंदाज किया। जिससे पता चलता है कि भारत की आतंकवाद पर नई नीति को और ढंग से समझाने की जरूरत है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि मेजबान चीन, एससीओ का प्रमुख संस्थापक सदस्य और उस पाक का सदाबहार मित्र है, जिसकी जमीन से पहलगाम साजिश को अंजाम दिया गया। ऐसे में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह द्वारा ज्वाइंट स्टेटमेंट पर हस्ताक्षर न करना भारत की नाराजगी जाहिर करने की दिशा में सही कदम ही है। उन्होंने सदस्य देशों को स्पष्ट किया कि सीमा पार से चलाये जा रहे आतंकवाद पर दोहरे मापदंडों के लिये कोई जगह नहीं होनी चाहिए। सदस्य देशों को उन देशों की आलोचना करने से नहीं हिचकना चाहिए जो आतंकवाद को राज्य की नीति के साधन के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। निस्संदेह, संगठन ने भारतीय पक्ष पर ध्यान न देकर अपने मंसूबों को उजागर किया है। ऐसे में संगठन के सदस्य देशों में विश्वास, मित्रता और संबंधों को मजबूत बनाने के लक्ष्य पूरा होना संदिग्ध ही है। दरअसल, रक्षामंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जी–7 शिखर सम्मेलन में कही उन बातों को ही विस्तार दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों को कभी पुरस्कृत नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने यह आश्चर्य जताया था कि आतंक के अपराधियों और इसके पीड़ितों को एक तराजू में कैसे तोला जा सकता है? यह कड़ा संदेश प्रधानमंत्री ने अमेरिका को दिया था, जिसने 'आतंकवाद विरोधी' प्रयासों में पाकिस्तान की भूमिका की सराहना की थी। साथ ही उसके सेना प्रमुख के लिये लाल कालीन बिछाया था। वही संदेश एससीओ की बैठक में रक्षामंत्री ने चीन को दिया है। भारत को आतंकवाद के खिलाफ अपने कूटनीतिक प्रयासों को धार देनी चाहिए।

प्रकृति के साथ सहजीवन का तिरस्कार

जनता सत्ता के राष्ट्रवाद में सराबोर है, लेकिन क्या वह उतना ही समाज में किए जाने वाले रचनात्मक कार्यों के प्रति भी सजग है? समाज ने अपने रचनात्मक कार्य भी सत्ता के भरोसे छोड़ दिए हैं। आज हमारा धर्म, हमारा व्यवहार व व्यापार और हमारे पर्यावरण तक को सत्ता ही परिभाषित कर रही है। यहां तक कि हम अपने हर विचार व व्यवहार के लिए सत्तानीति पर आश्रित हैं। डबल इंजन सरकार का सिंगल अजेंडा यही है कि सत्ता कायम कैसे रखी जाए। क्यों हर साल एक बार विश्व पर्यावरण दिवस मनाकर साल भर प्रकृति के साथ सहजीवन का तिरस्कार होता रहता है? इस साल भी यही हुआ। समाज में विकास की तेज रफ्तार के लिए जनता द्वारा किए जाने वाले रचनात्मक कार्यक्रमों को फिर भुलाया गया। सत्ता तेज रफ्तार के विकास का स्वांग तो जनता को भरमाने या हैरान करने के लिए रचती है। आज हर तरफ मंडराते युद्ध के कारण जो जीवन, धन व वन का क्षय हो रहा है उसमें सत्ता के कुछ सिरफिरों के लिए हमारा पर्यावरण नगण्य हो गया है और हमने भी पर्यावरण के प्रति अपने उत्तरदायित्व को भुला दिया है। हम भी तेज विकास की रफ्तार में अपनी गाड़ी को दौड़ाते हुए पर्यावरण की अनदेखी और उत्तरदायित्व की नासमझी कर रहे हैं। उसे ही विकास मान रहे हैं। जो भी हमारे इस तेज रफ्तार विकास के आड़े आ रहा है उसको हम जलवायु परिवर्तन के बहाने से छुपाने, ढांकने में लगे हैं। खबर आई कि हिमाचल प्रदेश के लोकप्रिय पर्यटन स्थल कसौल के जंगलों में पर्यटन से उपजा, आसपास के कई सौ होटलों का कचरा जंगल के मुहाने पर डाला जा रहा था। सवाल उठे तो उस कचरे को कई ट्रकों में भरकर संरक्षित जंगल के और अंदर बेशर्मी से ले जाकर छुपाया गया। उस पर मिट्टी डाल दी गयी। शहरों में तो ऐसे कचरे के पहाड़ बन ही रहे हैं, मगर अब पहाड़ों में भी कचरे के शहर बनने की शुरुआत हो गयी है। सुविधा संपन्न सत्ता ऐसे ही विकास के नाम पर समाज को ठगती व लूटती है। हम आज इतना कचरा पैदा कर रहे हैं जितना सहेज नहीं सकते। कचरा हम कर रहे हैं और उसको सहेजने का जिम्मा दूसरों पर डाल रहे हैं। क्या सत्ता के लिए पर्यटन ही एक मात्र विकास का पैमाना हो गया है? हमारे शहरों को ड्रीम सिटी बनाने का सपना दिखाया गया। भारत में ही लंदन, पेरिस, न्यूयॉर्क व सिंगापुर बनाने का वादा किया गया। इसके लिए हर बड़े शहर के मुहाने पर कचरे के पहाड़ खड़े कर दिए गए। मानें या न मानें, सपनों के शहर की आकांक्षा में हमारे पर्यावरण का संकट हमने ही रचा है। हमारे द्वारा किए गए कचरे से हमारी सेवा करने वाले हमारे लिए नए पहाड़ बना रहे हैं। हम उन पहाड़ों को अनदेखा कर, छोड़कर हिमाचल, उत्तराखंड, कश्मीर व अन्य जगहों के पहाड़ों पर पर्यटन करने जा रहे हैं। हम एक तरफ अपनी नदियों में औद्योगिक कचरा जाने दे रहे हैं और दूसरी तरफ, पहाड़ों की नदियों का सौंदर्य भोगना चाहते हैं। वहां के तालाब, ताल व झरने देखने जाते हैं और अपने यहां इन्हीं में कचरा भरने व इन पर मॉल बनने दे रहे हैं। सत्ता ने भी इन्हीं दूरदराज के स्थानों को पर्यटन के पैसे व आय से देखना शुरू कर दिया है। आज प्रतिवर्ष 6.2 करोड़ टन कचरा पैदा करते हैं जिसमें से मुश्किल से 20 प्रतिशत को ही वैज्ञानिक तरीके से सहेजा जा रहा है। इसी तेज रफ्तार विकास के सपने के कारण हम अपनी समस्याओं को जलवायु परिवर्तन के बहाने से छुपाते हैं। सृष्टि के इतिहास में ऐसा कोई समय दर्ज नहीं है जब जलवायु परिवर्तन नहीं हो रहा हो या न हुआ हो। परिवर्तन ही सृष्टि की परंपरा रही है। आज बस उसकी गति हमारी लालसा के कारण तेज हो गयी है। यही तेज रफ्तार लालसा या आकांक्षा सृष्टि के हर पहलू को प्रभावित कर रही है। सांस लेने वाली हवा से लेकर बदलते मौसम तक को हम देख रहे हैं, मगर क्या समझ भी पा रहे हैं? सबसे पहले महात्मा गांधी ने ही आगाह किया था, धरती पर सभी की जरूरत के लिए पर्याप्त है, मगर एक के भी लालच के लिए कम है। क्या इस विचार पर विश्व पर्यावरण दिवस मनता है? वर्षों पहले प्रकृति के प्रति संवेदना व आभार प्रकट करने का यह धार्मिक मंत्र मन में चलता व बना रहा है। अगर हम ऐसे जीते हैं कि हमारे जीने के मायने हैं और उससे कोई अहित नहीं हो रहा, तो कोई चिंता की बात नहीं, लेकिन अगर हम ऐसे जीते हैं कि हमारे जीने के कोई मायने नहीं हैं और अहित भी हो रहा है, तो निश्चित रूप से समाज में डर और गहन चिंतन होना ही चाहिए। गांधीजी के लिए आजादी का आंदोलन यह मायने भी रखता था कि अहिंसा और सत्य के रास्ते राष्ट्र की सबसे छोटी इकाई को सम्मान के साथ ऊपर उठाते हुए विकास करना। समभाव के समाज के लिए व्यक्ति का वैचारिक, व्यवहारिक विकास करना। सत्ता को समाज के लिए और अधिक सार्थक बनाना। एक छोटी किताब रचनात्मक कार्यक्रम उसका रहस्य और स्थान– भी सेवाग्राम से बारडोली तक की रेलयात्रा में गांधीजी ने लिखी। काशीनाथ त्रिवेदी द्वारा किया गया इसका अनुवाद पहली बार सन् 1941 में छपा। स्वतंत्रता आती दिख रही थी इसलिए ये कांग्रेस की सत्तानीति के लिए और स्वतंत्रता के आंदोलन में लगे लोगों के लिए अपील थी। उस किताब में समाज कार्य के अठारह मूल विचार थे। 1. सांप्रदायिक एकता, 2. अस्पृश्यता निवारण, 3. निषेध, 4. खादी, 5. ग्रामोद्योग, 6. ग्राम स्वच्छता, 7. बुनियादी शिक्षा, 8. वयस्क शिक्षा, 9. महिलाएं, (10) स्वास्थ्य और सफाई का ज्ञान, 11. प्रांतीय भाषाएं, 12. राष्ट्रीय भाषा, 13. आर्थिक असमानता, 14. किसान, 15. मजदूर, 16. आदिवासी, 17. कुष्ठ रोगी और 18. छात्र। सत्ता के करने के लिए और समाज की सेवा से जुड़े ये रचनात्मक कार्यक्रम गांधीजी ने नए स्वतंत्र भारत के विकास की रूपरेखा के तौर पर गढ़े थे। ये वो कार्यक्रम हैं जो समाज का हर व्यक्ति अपने स्तर पर, कहीं भी रहते हुए कर सकता है। आज कांग्रेस अपने अहिंसक आंदोलन की विरासत को और गांधी को भूल गयी है।

भाजपा अपने विकास का इतिहास रचने के चक्कर में गांधी को भुला देना चाहती है। सभी को गांधी सिर्फ चुनावी वादों में याद आते हैं। जनता ही है जो अपने गांधी को सत्ता से पूछे जाने वाले सवालों के लिए अपनी अहिंसक लाठी बना सकती है। आजादी के 78 साल बाद भी इन्हीं रचनात्मक कार्यक्रमों में लगकर अपन विश्वगुरु भी बन सकते हैं। इन्हीं से अपना पर्यावरण संरक्षित रहकर संवर भी सकता है। सत्ता के राष्ट्रवाद में यही जनता का रचनात्मक धर्म होगा।

डॉ. नीलिमा मिश्रा की डायरी (30)

बेमिसाल व्यक्तित्व दानवीर भामाशाह को शत् शत् नमन

डॉ. नीलिमा मिश्रा
प्रयागराज
मो०नं०8127713641

बेमिसाल व्यक्तित्व के धनी दानवीर भामाशाह जी की जयंती पर उन्हें शत शत नमन करती हूँ। भारतीय इतिहास में जो नाम स्वर्ण अक्षरों से लिखे गए हैं उनमें प्रमुख नाम है महान त्यागी दानवीर भामाशाह का, जिनका जन्म 29 जून 1547 को मेवाड़ के चित्तौड़गढ़ में हुआ था । इनके पिता भारमल , महाराणा प्रताप के रणथम्भोर के क़िले में क़लिदार के पद पर नियुक्त थे और माता कर्पूर देवी एक सत्यनिष्ठ, धर्मपरायण महिला थीं जिन्होंने जैन धर्म के पंच सिद्धांतों को अपने पुत्र को घूँटी में पिलाया था। भामाशाह सत्य–अहिंसा अस्तेय और अपरिग्रह की जीती जागती मिसाल थे।

महाराणा प्रताप हल्दीघाटी का युद्ध (18 जून, 1576) हार चुके थे। मुगल बादशाह अकबर से लोहा लेते हुए जब महाराणा प्रताप को अपनी मातृभूमि का त्याग करना पड़ा तो वह अपने परिवार सहित जंगलों में रहने लगे।

महाराणा प्रताप ने स्वाभिमान की रक्षा के लिए जंगल में रहना स्वीकार किया लेकिन अकबर के आगे झुके नही। ऐसी विषम परिस्थिति में महान भामाशाह ने अपनी पैतृक संपत्ति का सर्वस्व दान करने का निर्णय लिया और महाराणा प्रताप को पुनः मातृभूमि की आन –बान –शान वापस लाने के लिए इस धन को उपयोग करने के लिए प्रेरित किया ।

महाराणा प्रताप यद्यपि संकोच कर रहे थे लेकिन भामाशाह ने उन्हें अपनी राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता के द्वारा मना लिया और उस धन से नए उत्साह के साथ महाराणा प्रताप ने पुनरू सैन्य शक्ति संगठित की, मुगल शासकों को पराजित करके फिर से मेवाड़ का राज्य प्राप्त किया।जिसका शासन करते हुए 1597 (सी ई) में देवलोक को गमन किया । जिसका सलाहकार भामाशाह जैसा दानवीर हो वह राजा कितना भाग्यशाली था।

16 जनवरी 1600 सी ई में भामाशाह पंचतत्व में विलीन हो गए । अपने 53 वर्षीय जीवन काल में उन्होंने दानवीरता की ऐसी मिसाल पेश की जिसे पूरी दुनिया सदियों तक याद रखेगी।

आज मुझे ऐसी महान विभूति की याद में चित्र एवं अभिलेख प्रदर्शनी, जिसका आयोजन क्षेत्रीय अभिलेखागार, प्रयागराज (संस्कृति विभाग उ० प्र०) के द्वारा जिला पंचायत सभागार, प्रयागराज में किया गया था, वहाँ जाने का अवसर प्राप्त हुआ। दुर्लभ चित्र और अभिलेख देखकर मन प्रसन्नता से खिल गया और महान दानवीर के चरणों में नतमस्तक है।

सन् 2000 में भामाशाह के सम्मान में भारत

सरकार द्वारा घ3 का एक डाक टिकट जारी हुआ था। चित्तौड़गढ़ दुर्ग में भामाशाह की पुरानी हवेली बनी हुई है। अग्रवाल जैन समाज ने भी अग्रोहा (हरियाणा) में इनके सम्मान में यादगार स्थापित किया है।छत्तीसगढ़ शासन ने भामाशाह की स्मृति में दानशीलता, सौहार्द्र एवं अनुकरणीय सहायता के क्षेत्र में 'दानवीर भामाशाह सम्मान' स्थापित किया है राजस्थान सरकार ने भी महिला सशक्तिकरण के लिए वर्ष 2008 में 'भामाशाह कार्ड' जारी करके उन्हें सम्मान दिया। उदयपुर में राजाओं के समाधि स्थल के मध्य भामाशाह की समाधि बनी हुई है।

उ० प्र० सरकार ने ऐसी शख़्सियत की जयंती मनाने का निर्णय लिया और भामाशाह सम्मान से आज कई व्यापारियों को सम्मानित किया यह पहल स्वागत योग्य है।

आज की नवीन पीढ़ी अपनी संस्कृति एवं विरासत को जान सके और जन मानस ऐसी महान विभूतियों के त्याग और बलिदान से प्रेरणा ले सकें, यह बहुत शुभ है ।

जन्म दिया ऐसे बेटे को,
उन्नत है भारत का भाल।
पिता भारमल माँ कर्पूरी
की शिक्षा का देख कमाल।
राणा का सम्मान बचाया,
दान किया जो भी था पास।
भामाशाह आपके जैसा,
नही धरा पर कोई लाल।।

शुभांशु शुक्ला से क्या पूछेंगे मोदी जी

41 साल बाद एक बार फिर भारत के अंतरिक्ष यात्री के कदम अंतरिक्ष की तरफ बढ़े हैं। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अन्य तीन अंतरिक्ष यात्रियों के साथ बुधवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की तरफ बढ़े, तो इतिहास रचने के इस पल के करोड़ों लोग साक्षी बने। भारत में कानपुर में जहां शुभांशु शुक्ला की पढ़ाई हुई है, वहां बाकायदा व्योमोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें सैकड़ों स्कूली बच्चे शामिल हुए। इससे पहले 1984 में भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री विंग कमांडर राकेश शर्मा ने अंतरिक्ष यात्रा की थी। तब सोवियत रूस के साथ भारत के एक संयुक्त मिशन के तहत राकेश शर्मा आठ दिनों की अंतरिक्ष यात्रा पर गए थे। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के साथ उनका ऐतिहासिक संवाद आज भी रोमांचित करता है। अंतरिक्ष में बैठे राकेश शर्मा से इंदिरा गांधी ने पूछा था कि अंतरिक्ष से भारत कैसा दिखाई देता है और जवाब में राकेश शर्मा ने कहा था– सारे जहां से अच्छा। इस अद्भुत संवाद की याद इसलिए भी आई क्योंकि शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा पर राकेश शर्मा का एक रिकार्ड किया हुआ पॉडकास्ट रक्षा मंत्रालय ने जारी किया है, जिसमें राकेश शर्मा से पूछा गया कि अंतरिक्ष से दुनिया और भारत को देखकर उन्हें कैसा महसूस हुआ, तो उन्होंने कहा, श्ओह डियर! बहुत सुंदर।श हालांकि राकेश शर्मा ने यह भी कहा कि अंतरिक्ष यात्रा की तकनीक बदल गई है, लेकिन इंसान ज्यादा नहीं बदले हैं। अंतरिक्ष में जाने से सोच बदल जाती है। इंसान दुनिया को एक अलग तरीके से देखने लगते हैं। उन्हें समझ आता है कि ब्रह्मांड कितना बड़ा है। वहीं शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा पर वायुसेना ने एक्स पर पोस्ट किया है कि श्पृथ्वी से बाहर तिरंगा लहराने वाले स्क्वाड्रन लीडर राकेश शर्मा के मिशन के 41 साल बाद यह भारत के लिए अद्भुत क्षण आया है। यह एक मिशन से कहीं बढ़कर है – यह भारत की निरंतर बढ़ती क्षमताओं की पुष्टि करता है। भारत के लिए यह वाकई गर्व की बात है कि एक बार फिर से अंतरिक्ष यात्रियों की सूची में भारतीय का नाम दर्ज हो गया है। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी शुभांशु शुक्ला से बात कर सकते हैं।

प्राथमिक छात्रों को सैन्य प्रशिक्षण देने का महाराष्ट्र सरकार का निर्णय अनुचित

महाराष्ट्र सरकार द्वारा कक्षा 1 से कक्षा 5 तक के छात्रों को सैन्य प्रशिक्षण देने का निर्णय बेतुका, खतरनाक और शिक्षा के मूल सिद्धांतों के विरुद्ध है। राज्य के शिक्षा मंत्री दादा भूसे ने कहा कि कक्षा एक से बच्चों को सैन्य प्रशिक्षण देने का विचार युवा शिक्षार्थियों में कम उम्र से ही देशभक्ति, अनुशासन और शारीरिक फिटनेसश को बढ़ावा देना है। हालांकि यह बच्चे की देखभाल के किसी भी पहलू पर लागू नहीं होता है। यह बाल विकास के प्रति मानवतावादी दृष्टिकोण के विरुद्ध है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा इस तरह से बच्चों के दिमाग को अनुशासित करना कुछ मनोवैज्ञानिकों द्वारा प्रतिपादित इस अवधारणा पर आधारित है कि बच्चों पर सहज प्रेम बरसाने के बजाय उन्हें नियंत्रित, अलग–थलग और प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। इस कम उम्र में उन्हें सैन्य प्रशिक्षण में धकेलना अनुशासन के नाम पर उनके दिमाग में बैरक जैसे विचार भरना है। नैदानिक मनोवैज्ञानिक डॉ. परम सैनी के अनुसार ये विचार 18वीं और 19वीं सदी के सामाजिक मानदंडों से प्रभावित थे जिन्हें अब काफी पुराना माना जायेगा। आधुनिक पालन–पोषण स्नेह, गर्मजोशी, पोषण, सहानुभूति, सकारात्मक सुदृढ़ीकरण, सुरक्षित लगाव आदि को महत्व देता हैऔर इन्हें अब स्वस्थ भावनात्मक और सामाजिक कौशल विकसित करने के लिए आवश्यक माना जाता है। माता–पिता और परिवार द्वारा इन्हें प्रदान किया जाना चाहिए और स्कूलों में शिक्षकों द्वारा सुदृढ़ किया जाना चाहिए। बच्चों को एक–दूसरे के साथ घुलने–मिलने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। साथियों के साथ खेलना, चर्चा करना, बहस करना हमेशा विकास का एक स्वस्थ संकेत है। यही कारण है कि हम कई बार देखते हैं कि बच्चे एक–दूसरे से झगड़ते हैं लेकिन जल्द ही दोस्त बन जाते हैं। शिक्षा का उद्देश्य एक ऐसे व्यक्ति का विकास करना है जो तर्कसंगत रूप से सोच सके और घटनाओं का विश्लेषण कर सके। उसे समाज, परिवार और राज्य द्वारा बतायी गयी बातों का पालन करने की आवश्यकता नहीं है। बच्चे का दिमाग खाली होता है और उसे सकारात्मक मूल्यों से भरना होता है। इस छोटी उम्र में सैन्य जैसा अनुशासन लागू करने का विचार ही बच्चों में रचनात्मक विचारों, तर्कसंगत सोच और जिज्ञासा को नष्ट कर देगा। सैन्य कर्मियों द्वारा छोटी उम्र में बच्चों को अनुशासित करने से उनकी रचनात्मकता अवरुद्ध हो जायेगी और वे आज्ञाकारी अधीनस्थ की तरह सोचने लगेंगे। इस उम्र में कोमल मन कई प्रश्नों से भरा होता है जिनका उत्तर उसके व्यक्तित्व के विकास के लिए दिया जाना चाहिए। बच्चे द्वारा उठाये गये किसी भी प्रश्न को अनदेखा करने से विकासशील मन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। चूंकि बच्चे के लिए आस–पास की बहुत सी चीजें या घटनाएं बहुत नयी होती हैं, इसलिए उसे सवाल पूछने और संदेहों को स्पष्ट करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। बच्चे को प्रकृति के प्रति प्रेम विकसित करना, उसका संरक्षण और संवर्धन करना, प्रकृति के उत्पादों के साथ खेलना सिखाना चाहिए। जिज्ञासा को शांत करना और तर्कसंगत विश्लेषणात्मक सोच विकसित करना माता–पिता और शिक्षकों का कर्तव्य है। स्कूली छात्रों के प्रारंभिक वर्षों के लिए दुनिया भर में कई शिक्षा कार्यक्रम पहले से ही तैयार किये गये हैं। मनोचिकित्सक डॉ. एस के प्रभाकर ने कहा कि अनुशासन को लागू नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि आर्थिक स्थिति, जाति, पंथ, लिंग और शैक्षिक स्थिति के बावजूद दूसरों के प्रति प्रेम और सम्मान के विचारों के माध्यम से उन्हें विकसित किया जाना चाहिए। सेवानिवृत्त सैन्य कर्मियों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान करना जो बहादुर सैनिक हैं, लेकिन बच्चों को शिक्षित करने के तरीके के बारे में बहुत कम जानते हैं, बच्चे के व्यवहार के लिए जोखिम भरा होगा। बच्चे कल्पनाओं और एक काल्पनिक दुनिया में रहते हैं। धीरे–धीरे वे वास्तविक दुनिया के मामलों के बारे में सीखते हैं। सैन्य प्रशिक्षण के तहत वे काल्पनिक दुश्मन के विचारों के साथ रहते हैं और कैसे उन्हें पराजित करें या मारें इसकी योजना बनाते हैं। ऐसे बच्चे अपने साथियों के प्रति भी हिंसक चरित्र विकसित कर सकते हैं। कुछ दशक पहले बच्चे जानवरों, पेड़ों, पहाड़ों आदि जैसे प्रकृति पर आधारित खिलौनों से खेलते थे। पुराने खेल बच्चों को बंदूक संस्कृति से दूर रखती थीं। परन्तु आजकल के खिलौने, यहां तक कि होली खेलने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रंग भी बंदूक की तरह काम करते हैं। वीडियो गेम जिसमें बच्चे गोली चलाना और मारना सीखते हैं, खतरनाक भूमिका निभा रहे हैं। इससे समाज में हिंसा में वृद्धि हुई है। अमेरिका में जहां बंदूकें खुलेआम उपलब्ध हैं, वहां स्कू ली बच्चों द्वारा गोली चलाने के कई मामले देखने को मिलते हैं। शिक्षा का उद्देश्य बच्चे को मौलिक विचार, तर्क, विवेक और अवलोकन विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस तरह बच्चा अपना व्यक्तित्व विकसित करता है। कम उम्र में सैन्य प्रशिक्षण इन सब में बाधा डालेगा। हालांकि यह शासक वर्ग के उद्देश्य को पूरा कर सकता है ताकि बच्चे में घृणा, हिंसा और बदले की भावना से भरा एक विशिष्ट मन विकसित हो सके। हमारे वर्तमान समाज में जहां पहले से ही सांप्रदायिक घृणा, जाति और लिंग पूर्वाग्रह को हाल के वर्षों में बढ़ावा दिया गया है, बच्चे की ऐसी मानसिकता सामाजिक सद्भाव को और खराब करेगी। दुनिया भर में चल रहे युद्धों के संदर्भ में बच्चों में प्रेम, देखभाल, सहानुभूति और सामूहिकता के विचारों को विकसित करना और भी महत्वपूर्ण है।

फातिमा सना शेख

बोलीं– रिश्ता बिल्कुल टॉक्सिक है तो उसका टूट जाना ही बेहतर, मर्द उम्मीद करेंगे कि आप बदल जाओ

अनुराग बासु की फिल्म श्मेट्रो इन दिनोंश की एक्ट्रेस फातिमा सना शेख बोलीं– जब हम रिलेशनशिप में होते जाते हैं तो मर्द यह उम्मीद करता है कि आप बदल जाओ। अपनी चॉइसेज बदल लो। पार्टनर वो चाहिए, जो प्यार करे तो जताए भी। श्दंगलश की गीता फोगट हो या श्ठग्स ऑफ हिंदोस्तानश की वॉरियर प्रिंसेस जाफिरा, श्मॉडर्न लव मुंबईश की लालजरी या श्धक धकश की बिंदास स्काई, ऐक्ट्रेस फातिमा सना शेख ने पर्दे पर हमेशा मजबूत लड़कियों के किरदार निभाए हैं। इन दिनों वह चर्चा में हैं, अनुराग बसु की फिल्म श्मेट्रो...इन दिनोंश के लिए। ऐसे में, हमने उनसे प्यार, रिश्ते, शादी आदि पर की खास बातचीत। एक दौर था, जब बॉलिवुड अपनी रोमांटिक फिल्मों के लिए जाना जाता था। मगर कुछ सालों से क्राइम, ऐक्शन, थ्रिलर पर ज्यादा जोर दिख रहा है। आपको लगता है कि लोग रोमांटिक फिल्में मिस कर रहे हैं? सौ फीसदी। हम सब मिस कर रहे हैं, क्योंकि सिनेमा को इतना सीरियस भी नहीं ले सकते। हम सबकी जिंदगी में वैसे ही इतनी मुश्किलें, इतनी सीरियस चीजें हैं कि आप पर्दे पर कुछ हल्का–फुल्का देखना चाहते हैं। रोमांटिक फिल्में हमेशा हमारी जिंदगी का हिस्सा रही हैं। हमने अपनी जिंदगी में जितना भी रोमांस किया है, उस पर कुछ न कुछ प्रभाव हमारी फिल्मों का रहा ही है। हमने फिल्मों में देखा कि शाहरुख ने ऐसा कुछ किया तो उसे अपनी असल जिंदगी में अप्लाई किया, तो वो चीज मुझे लगता है कि अभी मिसिंग है। हमारी फिल्म श्मेट्रो इन दिनोंश से शायद वो कमी थोड़ी दूर हो, क्योंकि इसमें अलग–अलग उम्र, अलग–अलग किस्म के प्यार की कहानी है, तो हर इंसान किसी ना किसी इमोशन रिलेट करेगा। हम शादीशुदा कपल जैसे रहते हैं... 12 साल से रिश्ते में हैं डायना पेंटी, कहा– शादी का दबाव नहीं संजय कपूर को अंतिम विदाई देते हुए रो पड़ीं करिश्मा, पापा को जाता देख टूटकर बिखर गए दोनों बच्चे अक्षय खन्ना ने दुल्हन बनीं करिश्मा के हाथों को चूमा था, जिनसे कभी उनकी खुद होनेवाली थी शादी इजरायल नहीं ईरान का समर्थन करें, ट्रंप–नेतन्याहू का पोस्टर जला मौलाना कल्बे जव्वाद ने किसे कहा अत्याचारी? आजकल प्यार बहुत जटिल हो गया है, जैसा कि फिल्म में भी एक डायलॉग है। शादी की संस्था से भी युवा पीढ़ी का भरोसा उठ रहा है। आपका प्यार और शादी को लेकर क्या नजरिया है? फातिमा ने कहा, श्प्यार को लेकर हम लोग जो इतना सोचते हैं कि हम प्यार ऐसे करेंगे, वैसे करेंगे, मगर असल जिंदगी में जब आप प्यार में पड़ते हैं, तो उस पर कुछ कंट्रोल नहीं होता। आपके जितने भी सिद्धांत या नियम होते हैं सब खिड़की के बाहर चले जाते हैं। उसी तरह, मैं शादी में यकीन रखती हूं और मुझे लगता है कि शादी तब ज्यादा चलती है, जब बच्चा होता है। क्योंकि हमारे देश में अगर मां, बाप और बच्चा एक परिवार के रूप में साथ होते हैं, तो सरकार बहुत सारी सुविधाएं और सुरक्षा देती है। कानून भी प्रोटेक्ट करता है, तो बहुत सारे फायदे हैं। इसके अलावा, शादी को तोड़ने के लिए बहुत सोचना पड़ता है। आप ऐसे उठकर अलग नहीं हो जाते।श अनन्या कहकर पुकारने पर फातिमा सना शेख ने दिया ये रिएक्शन, देखें वीडियो फिर भी इन दिनों तो तलाक के मामले बहुत ज्यादा सामने आ रहे हैं... यह भी अच्छी बात है ना। पहले तलाक एक टैबू था। दूसरे, बहुत सारी औरतें कमाती नहीं थीं। वे अपने पति पर ही निर्भर होती थीं। उनके पास कोई सपोर्ट सिस्टम नहीं होता था, इसलिए वे तलाक लेने की सोचती भी थीं तो हमारा समाज उन्हें हतोत्साहित ही करता था। मगर आज वे आत्मनिर्भर हैं। ऐसे में, अगर दो लोगों के बीच जम नहीं रहा है, तो हमें एक समाज के तौर पर उन्हें सपोर्ट करना चाहिए, क्योंकि ऐसे साथ रहने का क्या मतलब है? टूटे हुए घर में अगर बच्चा भी होता है ना, तो वो भी टूट जाता है। बाहरवालों के लिए बोलना आसान होता है कि शादी को निभाना चाहिए, मगर हमने बहुत देखा है कि अगर घर में क्लेश होता है तो बच्चे पर भी खराब असर ही पड़ता है। मेरे हिसाब से ऐसे में तलाक एक एंपवारमेंट है। अगर रिश्ता बिल्कुल टॉक्सिक है, तो उसका टूट जाना ही बेहतर है। आपने दंगल हो या ठग्स ऑफ हिंदोस्तान, धक धक या मॉडर्न लव, पर्दे पर ज्यादातर दमदार लड़कियों के किरदार ही निभाए हैं। क्या यह आपकी सोची–समझी कोशिश होती है कि ऐसे मजबूत किरदार ही निभाने हैं? 100 पर्सेंट। मुझे वो करैक्टर्स पसंद ही नहीं हैं जिसको बोलो– उठो तो उठ जाए, जिसको बोलो बैठो, तो बैठ जाए, क्योंकि मैं असल जिंदगी में वैसे नहीं है। ऐसा हो ही नहीं सकता कि मुझे कोई लड़का बोले कि ये पहन, तो मैं पहन लूं। मुझे नहीं पहनना है तो मैं नहीं पहनूंगी, मेरी मर्जी है। जब मेरे मां–बाप ने मुझे कभी कुछ नहीं बोला है, तो मैं किसी और की नहीं सुनूंगी। इसलिए, हां, ऐसे किरदार मैं सोचकर ही करती हूं, क्योंकि मुझे ऐसे किरदार पसंद ही नहीं आते, जिसमें रीड़ की हड्डी न हो। देखिए, अगर एक सहमी लड़की है, जो अपने फैसले खुद नहीं ले सकती, मुझे उसे करने में भी कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन आखिर में उसमें बदलाव आना चाहिए, उसे सशक्त होना चाहिए। अगर ऐसा नहीं है तो वह मेरे लिए बहुत बोरिंग किरदार है। अपनी निजी जिंदगी में आपने सबसे ज्यादा सशक्त कब महसूस किया? फातिमा सना शेख ने कहा– असल में, कोई एक वाकया या टर्निंग पॉइंट नहीं है। मेरा मानना है कि आपने छोटे छोटे फैसले आपको एंपावर करते हैं। आपका व्यक्तित्व बनाते हैं। जैसे, मैं अपने सारे फैसले खुद लेती हूं। मुझे कोई फिल्म करनी है, वो मैं खुद चुनती हूं। किसी को सुनती नहीं हूं। जैसा समाज सोचता है कि लड़कियों को सती सावित्री वाले ही रोल करने चाहिए, इस बात से मैं सहमत ही नहीं हूं। मैं अपने मन की करती हूं और मै पली बढ़ी ही ऐसी हूं कि थोड़ी भी रोकटोक हो तो मैं स्चिव ऑफ हो जाती हूं। मेरे में धैर्य नहीं है। आपके लिए एक रिश्ते में सबसे बड़ा डील ब्रेकर क्या है? दूसरे, आप अपने पार्टनर में तीन खूबियां क्या चाहेंगी? एक्ट्रेस फातिमा ने कहा, मेरे लिए डील ब्रेकर रिश्ते में बेईमानी और भरोसा ना होना है, क्योंकि अगर भरोसा नहीं है ना तो कुछ भी करो उस रिश्ते का कोई मतलब नहीं है। मेरे लिए बहुत जरूरी है कि मेरा पार्टनर ऐसा हो, जिस पर भरोसा किया जा सके। रही बात उसकी खूबियों की, तो उसे प्यार को जताने से कतराना नहीं चाहिए। ऐसा न हो कि अगर आई लव यू बोलना है तो उसमें 10 दिन लगते हैं। ईगो नहीं होना चाहिए। अगर झगड़ा हुआ और गलती उसकी है तो माफी मांग ले, अगर मेरी होगी तो मैं माफी मांग लूंगी। तीसरा, मैं जैसी हूं, वैसे ही एक्सेप्ट करे। कई बार ऐसा होता है कि जब हम रिलेशनशिप में होते जाते हैं, तो मर्द यह उम्मीद करता है कि आप बदल जाओ। अपनी चॉइसेज बदल लो। अपना रहन सहन, कपड़ा पहनना जो भी है, वो नहीं होना चाहिए।

मैं हमेशा खुद को एक बच्चे की तरह देखती हूँ–हुमा कुरैशी

फिल्म 'मालिक' का नया गाना 'दिल थाम के' इन दिनों खूब सुर्खियां बटोर रहा है और इसकी चमकदार वजह हैं हुमा कुरैशी। अपने दमदार लुक और एक्सप्रेशंस से उन्होंने एक बार फिर साबित कर दिया है कि स्क्रीन पर उनकी मौजूदगी ही काफी है तहलका मचाने के लिए। मालिक में राजकुमार राव और मानुषी छिल्लर लीड रोल में है और इसे डायरेक्ट किया है पुलकित ने और ये फिल्म रिलीज होने जा रही है 11 जुलाई को। इसी के चलते हुमा कुरैशी ने खास बातचीत की। पेश हैं बातचीत के मुख्य अंश

मुझे ये सांग बहुत पसंद आया था। जब मुझे पहली बार ये गाना घर आकर सुनाया गया तो मैंने यही कहा था कि ये सांग पक्का चलेगा। बाकी सारे दोस्त है इस फिल्म में जो काम कर रहे हैं। वैसे भी मुझे पुलकित के साथ काम करना था उनकी भक्षक फिल्म भी मुझे बहुत पसंद आई थी। मैं उनको हमेशा कहती हूँ कि हम कुछ बड़ा और ड्रामाटिक करेंगे लेकिन मुझे नहीं पता था कि हम एक सांग करेंगे साथ में।

2 – राजकुमार राव के साथ शूटिंग एक्सपीरियंस कैसा रहा ?

मेरे तो वो बहुत अच्छे दोस्त हैं। मेरे लिए वो एक फॅमिली की तरह हैं। जब वो काम कर रहे होते हैं तो वो बहुत फोकस्ड होते हैं लेकिन जब वो काम नहीं कर रहे होते तब वो बहुत मस्ती करते हैं।

3 – इतना लंबा सफर तय किया आपने इंडस्ट्री में जहाँ हमेशा आपके काम की तारीफ हुई है तो अब आप खुद को कहाँ रखती हैं ?

कहीं नहीं। जिस दिन मैंने खुद को कहीं प्लेस कर दिया उस दिन जो भी बात है मुझमें वो खत्म हो जाएगी। मैं हमेशा खुद को एक बच्चे की तरह देखती हूँ , मैं ये सोचती हूँ कि मैंने क्या नहीं किया अभी तक मुझे वो करना है। आगे भी मेरे जो प्रोजेक्ट आने वाले हैं वो एकदम अलग होंगे वो भी अपनी अपनी कंडीशन की वजह से वो ये कि कोई रिपीट नहीं होना चाहिए जो मैं पहले कर चुके हैं। महारानी को बहुत प्यार मिला है तो हम उसका अगला सीजन कर सकते हैं लेकिन मुझे कोई रिपीट नहीं करना।

4 – आप कभी स्टीरियोटाइप नहीं हुई , क्या ये कॉन्शियस चॉइस है ?

हां जी 100: कॉन्शियस चॉइस है। लड़कियों को ना हमेशा से बताया जाता है कि आपकी एक शेल्फ लाइफ है या आप इसी रोल के लिए बने हैं , ये फालतू की बातें बहुत बोलते हैं लोग और बहुत ज्ञान बांटते हैं। लोगों को बहुत अच्छा लगता है कि आपको आपकी जगह दिखाई जाए कि आप किस काबिल है या लायक हैं। लेकिन मेरी कोशिश हमेशा कुछ अलग करने की रही है मैं एक ही चीज बार–बार नहीं कर सकती।

5 – जब भी आप कोई स्क्रिप्ट पढ़ती हैं तो ऐसी कौन सी चीज है जिसके साथ आप कभी समझौता नहीं कर सकती ?

मेरे लिए तो रेसपेक्ट सबसे ज्यादा जरूरी है। मेरी तरफ से भी और सामने वाले की तरफ से भी। रोल बेशक दोस्ती में कैमियो करना ही क्यों ना हो। पैसे के बारे में मैं ज्यादा नहीं सोचती। जहाँ मुझे काम करना है वहां मुझे किस तरह से ट्रीट किया जाता है वो बहुत ज्यादा जरूरी है। जहाँ मुझे लगता है कि ये लोग ठीक नहीं है वो रोल मैं नहीं करती।

6 – आपके शुरूआती दिनों में आपके लिए सबसे बड़ी चुनौती कौन सी थी ?

मुझे बहुत अच्छी एडवाइस मिली थी एक लेडी से, उनका नाम था अमिता सहगल। उन्होंने मुझे कहा था सुनो मेरी बात, तुम मुझे एक अच्छे घर की लड़की लग रही हो , मत जाओ यहाँ, बहुत काम अच्छी फिल्मों की कास्टिंग होती है तुमको पता भी नहीं चलेगा। यहाँ–वहां तुम लोग भटकोगे तो अनजान लोगों से मिलेंगे और मायूस होगे। एड्स करो अगर तुम अच्छे हुए तो कैमरे में तो लोग तुम्हें देखेंगे। पता नई क्यों मुख्य उनकी बात अच्छी लगी और में एड्स पर फोकस किया और फिल्मों के ऑडिशन देना बंद कर दिया। और एड्स की वजह से ही मुझे मेरी पहली फिल्म श्गैंग्स ऑफ वासेपुरश मिली थी। मेरी लाइफ में तो बहुत ऐसे लोग मिले जिन्होंने बिना किसी स्वार्थ के मेरी मदद की है।

प्रोड्यूसर एकता कपूर से विवाद के बीच अब एक्टर राम कपूर ने उनका आभार जताया है। दरअसल, कुछ समय पहले ही राम कपूर ने एक पॉडकास्ट में कहा था कि टीवी शो बड़े अच्छे लगते हैं में एकता कपूर ने उनकी मर्जी के खिलाफ जाकर इंटिमेट सीन डलवाए थे, जिससे उन्हें आलोचना का सामना करना पड़ा था। बयान सामने आने के बाद एकता कपूर ने सरेआम उन्हें अनप्रोफेशनल कहते हुए चुप रहने की नसीहत दी थी। अब राम कपूर ने विवाद पर कहा है कि एकता जो चाहे कह सकती हैं, ये उनका हक है। हाल ही में एनडीटीवी को दिए एक इंटरव्यू में राम कपूर ने विवाद पर कहा, श्वो जो चाहे कह सकती हैं, लेकिन मैं एक शब्द नहीं कहूंगा। क्योंकि आखिर में उन्होंने मुझे वो दिया जो किसी और ने नहीं दिया। उन्होंने मुझ पर तब विश्वास किया, जब किसी और ने नहीं किया। इस चीज के लिए मैं हमेशा शुक्रगुजार रहूंगा। उनके पास हक है कि वो मेरा करियर जब तक है, तब तक जो चाहे कहें।

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा (वदीप पदीं) बहुत जल्द फिल्म 'निकिता रॉय' में नजर आने वाली हैं. इन दिनों एक्ट्रेस फिल्म को जोरशोरसे प्रमोशन कर रही हैं. इसी कड़ी में उन्हें एक इवेंट में स्पॉट किया गया. जहां एक्ट्रेस जरा हटके लुक में नजर आई. लेकिन एक्ट्रेस का ये अंदाजा यूजर्स को बिल्कुल भी पसंद नहीं आया और उन्होंने एक्ट्रेस को आड़े हाथों लिया. फिल्म के प्रमोशन में स्पॉट हुईं सोनाक्षी सिन्हा सोनाक्षी सिन्हा का ये वीडियो मुंबई का ही है. जहां एक्ट्रेस एक इवेंट में अपनी फिल्म 'निकिता रॉय' को प्रमोट करने पहुंची थी. एक्ट्रेस के साथ उनके कोस्टार भी मौजूद थे. इस इवेंट के लिए एक्ट्रेस ने ग्रे कलर का ओवरसाइज ब्लेजर पहना था. जिसके नीचे उन्होंने व्हाइट शर्ट और उसके साथ मैचिंग स्कर्ट पहनी थी. सोनाक्षी ने अपना लुक बालों में मैसी बन और लाइट मेकअर के साथ पूरा किया. लुक को लेकर सोशल मीडिया पर हुईं ट्रोल एक्ट्रेस ने इवेंट में पहुंचकर पैपराजी को एक से बढ़कर एक पोज दिए. एक्ट्रेस की तस्वीरें और वीडियोज अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं. सोनाक्षी का ये लुक देख यूदर्स उनकी खिंचाई करते दिखे. एक यूजर ने लिखा कि, 'खुले कपड़े पहनकर मोटापा छुपाना कोई इनसे सीखे.' दूसरे ने लिखा, 'सोनाक्षी कितनी बेकार लग रही है. ' इसके अलावा एक ने पूछा कि, 'इनको गर्मी नहीं लगती क्या.' कब रिलीज होगी सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म 'निकिता रॉय'? बात करें सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म 'निकिता रॉय' की तो हाल ही में इसका ट्रेलर रिलीज हुआ था. जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया था. अब ये फिल्म 27 जून को थिएटर्स में रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार है. फिल्म को एक्ट्रेस के भाई कुश सिन्हा ने डायरेक्ट किया है. बता दें कि इससे पहले एक्ट्रेस फिल्म 'काकुड़ा' में नजर आई थी.

क्या ब्लड ग्रुप के हिसाब से खाना खाना सेहत पर डालता है असर, जानें क्या कहते हैं एक्सपर्ट

खानपान का सेहत से गहरा रिश्ता है। डायबिटीज हो या फिर लीवर की बीमारी, पतले होना हो या फिर हेल्दी रहना हो, हमेशा खानपान पर ध्यान देने की सलाह दी जाती है। इसलिए न्यूट्रिशनिस्ट लोगों ने कई तरह की डाइट भी बनाई है। इसी में से एक है ब्लड टाइप डाइट। जिसमे ब्लड ग्रुप के अनुसार खाना खाने से बॉडी पर असर अलग होता है। इंडिया टुडे में छपी खबर के मुताबिक न्यूट्रोपैथी फिजिशियन डॉक्टर पीटर डी एडमो ने सबसे पहले ब्लड टाइप डाइट के बारे में बताया। ब्लड टाइप डाइट के हिसाब से शरीर का अलग ब्लड ग्रुप फूड के साथ अलग–अलग तरह से कैमिकली रिएक्ट करता है।

ब्लड टाइप डाइट क्या है

ब्लड टाइप डाइट में ब्लड ग्रुप के अनुसार खाना खाना चाहिए। हर फूड का अलग ब्लड ग्रुप पर अलग असर होता है। अगर आप ब्लड ग्रुप के अनुसार खाते हैं तो ये ओवरऑल हेल्थ को सही रखने में मदद करता है और क्रोनिक डिसीज के खतरे को कम करता है। सबसे ज्यादा लोग चार ब्लड ग्रुप के होते हैं। ब्लड ग्रुप– ए, बी, ओ और एबी।

इन लोगों को इस तरह के फूड को खाना चाहिए।

ब्लड ग्रुप के हिसाब से डाइट

ब्लड ग्रुप ओ की डाइट

एक्सपर्ट के मुताबिक ओ ब्लड ग्रुप के लोगों को हमेशा लो कार्बोहाइड्रेट फूड और हाई प्रोटीन डाइट को फॉलो करना चाहिए। ऐसे खाने को खाकर वो लंबे समय तक स्वस्थ रह सकते हैं और तमाम तरह की बीमारियों से भी बचे रहेंगे।

ब्लड ग्रुप ए की डाइट

ब्लड ग्रुप ए के लोगों को हमेशा प्लांट बेस्ट फूड खाने चाहिए। इन्हें नॉन वेज फूड्स से दूर रहना चाहिए। वहीं बात जब वेट लॉस की आती है तो ब्लड ग्रुप ए के लोगों को हमेशा प्रोसेस्ड और शुगरी फूड से बचना चाहिए। जो कि वजन बढ़ने का मेन कारण होते हैं।

ब्लड ग्रुप बी की डाइट

ब्लड ग्रुप बी टाइप के लोगों को मीट और डेयरी प्रोडक्ट फायदा पहुंचाते हैं।

ब्लड ग्रुप एबी की डाइट

ब्लड ग्रुप ए और बी को मिलाकर एबी ग्रुप बना होता है। इस ब्लड ग्रुप के लोगों को सोयाबीन, टर्की, सीफूड और सब्जियां खाना चाहिए। ये इनकी सेहत पर गहरा असर डालती हैं।

कभी घर में बनाया है मोजरेला चीज? इस रेसिपी से घर में करें ट्राई

पिज्जा हो या सैंडविच, बर्गर हो या फिर पोटैटो बॉल्स चीज के बगैर इन सारे स्नैक्स का स्वाद अधूरा लगता है। बच्चों को चीज तो इतना पसंद होती है कि अब तो मां परांठे भी चीज भरकर बनाती हैं। तो अगर आपके बच्चे भी चीज के इतने ही प्रेमी है तो हर बार बाजार से चीज क्यों खरीदकर लाना। इस बार आप

मोजरेला चीज को घर में बनाकर ट्राई कर सकती हैं। इसे बनाना बहुत मुश्किल नही है। बस थोडी सी मेहनत से और केवल दो सामग्री से मोजरेला चीज को तैयार किया जा सकता है। तो चलिए जानें कैसे घर में बनाएं मोजरेला चीज। ये रही रेसिपी।

मोजरेला चीज बनाने की सामग्री

3 लीटर दूध

1 कप विनेगर

25 ग्राम नमक

मोजरेला चीज बनाने का तरीका

–3 लीटर दूध को किसी गहरे बर्तन में डालकर उबाल लें। उबालकर दूध को किनारे ठंडा होने के लिए रख दें।

–जब दूध हल्का गुनगुना रह जाए तो इसमे विनेगर मिलाएं और करीब आधे घंटे के लिए छोड़ दें।

–आधे घंटे बाद चेक कर लें कि दूध अच्छी तरह से फटकर पानी छोड़ चुका है कि नहीं।

–फट चुके दूध को किसी मलमल के कपड़े की मदद से छान लें।

–पानी को अलग कर लें और फटे दूध को अलग रख लें।

–अब फटे दूध के पानी को नमक मिलाकर उबालें।

–पानी से अलग हुए चीज को किसी प्लेन सतह पर रखकर हाथों की मदद से स्ट्रेच करें और मिक्स करें। इसी तरह के करीब दस मिनट तक करते रहें।

–फिर इसे नमक मिले उबले पानी में चीज को स्ट्रेनर में रखकर डुबोएं। अगर स्ट्रेनर नहीं है तो कपड़े में लपेटकर डुबोएं।

–ऐसा करीब चार से पांच बार करें। और चीज को बाहर निकालकर छोटे बॉल्स बना लें। इसे फ्रिज में चिल कर लें और तैयार है आपका मोजरेला चीज।

–इसे पिज्जा, सैंडविच या सलाद पर डालकर एंज्वॉय करें।

गर्मियों के मौसम में वरदान हैं ये फल, बस खाने से पहले ध्यान रखें ये बातें

फल हमारी सेहत के लिए अच्छे होते हैं। इन्हें खाने से शरीर को विटामिन्स और मिनरल्स मिलते हैं। गर्मी में आने वाले कुछ फल पेट को ठंडा रखते हैं। वहीं कुछ ऐसे फल भी हैं जो डायबिटीज कंट्रोल करने में मदद करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ताजे फलों को गलत तरह से खाने पर परेशानी हो सकती है।आयुर्वेदिक एक्सपर्ट डॉ दीक्षा भावसार ने अपने लेटेस्ट इंस्टाग्राम पोस्ट में ताजे फलों को खाने की टिप्स शेयर की हैं। जानिए–

ताजे फलों को खाने पर क्या कहता है आयुर्वेद

आयुर्वेद में ताजे फल को बहुत हल्का और पचने में आसान माना जाता है। खाने की दूसरी चीजों की तुलना में ये हल्के होते हैं। ऐसे में जब इन्हें भारी खाने के साथ (या बाद में) खाया जाता है, तो यह पेट में तब तक रहता है जब तक कि सबसे भारी खाना पच नहीं जाता। बहुत लंबे समय तक पेट में रहने की वजह से ये हमारे पाचक रसों द्वारा ओवरकुक किया जाता है और किण्वन करना शुरू कर देता है। यह नम, अम्लीय अपशिष्ट हमारे पाचन तंत्र में जमा हो जाते हैं जहां यह हमारे पाचन को प्रभावित कर सकते हैं। इनकी वजह से हमारे पाचन रसों के उत्सर्जन में परेशानी होती है। पोषक तत्वों का अवशोषण और संभावित रूप से अपच और आंत में सूजन आ सकती है।

गर्मियों के लिए बेस्ट फल

जामुन

नारियल पानी

आम

खरबूजा

बेरीज

नींबू

ताड़

फल खाने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखें–

– फल अकेले खाएं और खाने के साथ या बाद में नहीं।

– खाने के 1 घंटे पहले या 2 घंटे बाद फल खा सकते हैं।

– खाने के साथ या बाद में कभी भी अपने फल न लें।

– अपने फलों को दूध या दही के साथ न मिलाएं

– फलों का रस तभी लें जब आपका पाचन खराब हो, ठीक से – चबा नहीं सकते या कमजोरी हो।

– दिन या रात में देर से फल न खाएं।

दूध के साथ फल मिलाने पर एक्सपर्ट की सलाह

– शुद्ध मीठे और पके फलों के साथ ही दूध नहीं पीएं।

– पके मीठे आम को दूध के साथ मिलाकर खाया जा सकता है।

– एवोकाडो को दूध के साथ मिलाया जा सकता है।

– सूखे मेवे जैसे किशमिश, खजूर और अंजीर दूध के साथ ले सकते हैं।

– दूध के साथ सभी बेरीज को मिलाने से बचें। क्योंकि जब हम दूध में जामुन मिलाते हैं, तो हो सकता है कि दूध एकदम से ना फटे, लेकिन हमारे शुरुआती पाचन के बाद यह फट जाएगा।

– केले भले ही मीठे हों लेकिन दूध के साथ खाने पर पाचन के बाद का इनका प्रभाव खट्टा होगा, इसलिए दोनों को एक साथ नहीं लेना चाहिए।

– दूध और फल अलग–अलग खाना एक अच्छा ऑप्शन है।

गर्मियों के लिए बेस्ट हैं लिपस्टिक के ये शेड्स, मिलेगा क्लासी और एलीगेंट लुक

गर्मियों में धूप, धूल और पसीने से हम सभी परेशान हो जाते हैं। यहां वॉर्डरोब में हल्के और कंफर्टेबल कपड़े नजर आने लगे हैं तो मेकअप के भी कई प्रोडक्ट्स में बदलाव होता है। क्योंकि गर्मियों में फेस पर लंबे समय तक मेकअप टिक नहीं पाता है। मेकअप में लिपस्टिक सबसे जरूरी प्रोडक्ट होता है। इसके बिना पूरा लुक अधूरा लगता है। अगर बात करें लिपस्टिक के परफेक्ट शेड की तो गर्मी के मौसम में इसके चयन में काफी ध्यान देने की जरूरत होती है।

हालांकि कई लड़कियां ऐसी होती हैं, जिनको लिपस्टिक के शेड्स के बारे में ज्यादास जानकारी नहीं होती है। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको लिपस्टिक के कुछ ऐसे शेड्स के बारे में बताने जा रहे हैं। जो आपको गर्मी के मौसम के लिए परफेक्ट हैं। अपनी पसंद के हिसाब से आप इन लिपस्टिक के शेड्स को अपने मेकअप कलेक्शन में शामिल कर सकती हैं।

पीच रंग

पीच रंग हर लड़की को काफी ज्यादा पसंद होता है। वहीं गर्मी के मौसम में इस रंग की लिप्सटिक लगाने से आपको परफेक्ट लुक मिलेगा और पूरा दिन आपका चेहरा खिला–खिला रहेगा। डार्क रंग के आउटफिट के साथ आप पीच रंग की लिपस्टिक लगा सकती हैं।

न्यूड रंग

बता दें कि आजकल न्यूड कलर काफी ट्रेंड में चल रहा है। वहीं अगर आप मैटेलिक आउटफिट पहन रही हैं तो न्यूड रंग की लिपस्टिक आपके लुक में चार चांद लगाने का काम करेगी। न्यूड रंग देखने में क्लासी और एलीगेंट लगता है।

ब्राउन रंग

हर स्किन की लड़कियां इस रंग की लिपस्टिक लगा सकती हैं। एक समय पर ब्राउन रंग की लिपस्टिक हर कोई लगाना पसंद नहीं करता था। लेकिन आज के समय में हर कोई ब्राउन रंग की लिपस्टिक लगाना पसंद करता है।

प्लम रंग

अगर आपको भी ऑफिस लुक के लिए कोई लिपस्टिक लगानी है तो प्लम रंग आप पर काफी जचेगा। इस रंग की लिपस्टिक को आप इंडियन और वेस्टर्न दोनों तरह की ड्रेस के साथ लगा सकता है।

मर्दों के शरीर पर उगे घने बाल बन सकते हैं कई सारी बीमारियों की वजह

शरीर पर उगे बाल महिलाओं को जरा भी पसंद नहीं होते। तभी तो वैक्सिंग, थ्रेंडिंग, रेजर, लेजर टैक्नीक से वो इसे हटाती रहती हैं। हाथ–पैर से लेकर कमर और बिकिनी एरिया के बालों को हमेशा साफ कर लेती हैं। लेकिन पुरुष अक्सर बालों को लेकर सजग नहीं होते। लेकिन शरीर पर उगे घने बाल काफी सारी बीमारियों की वजह बन जाते हैं। वैसे तो शरीर पर उगे बाल पूरी तरह से जींस पर डिपेंड करते हैं। लेकिन कई बार इन घने बालों की वजह अलग होती है।

आखिर क्यों उगते हैं शरीर पर मोटे–घने बाल

जेनेटिक वजह के अलावा कई बार बालों के शरीर पर मोटे और घने उगने की वजह हार्मोंस भी होते हैं। शरीर में एंड्रोजेंस के बढ़ने की वजह से बाल घने और मोटे हो जाते हैं। वहीं हार्मोंस की गड़बड़ी की वजह से होने वाली बीमारी एड्रनल ग्लैंड्स पर असर डालती है। जिसकी वजह से शरीर पर घने और मोटे बाल निकलने लगते हैं।

पुरुषों में हेयर ग्रोथ पैटर्न पर अक्सर टेस्टेरॉन लेवल के फलचुएशन का असर होता है। जिसकी वजह से कई बार ज्यादा या कम हेयर ग्रोथ होती है। ज्यादा हेयर ग्रोथ होने से स्किन को काफी सारी परेशानियों का भी सामना करना पड़ता है।

पुरुषों में ज्यादा हेयर ग्रोथ से होती है ये समस्याएं

इरिटेशन और खुजली

बॉडी पर बालों के घनी और ज्यादी मात्रा इरिटेशन का कारण बनती है। खासतौर पर अंडरआर्म्स, थाईज और बॉडी के दूसरे पार्ट्स में उगे बाल आपस में घिसते हैं। जिसकी वजह से इरिटेशन और खुजली की समस्या होने लगती है।

रैशेज

कई बार मोटे और घने–कड़े बाल स्किन पर रैशेज का कारण बनते हैं। खासतौर पर गर्मियों के मौसम में पसीने की वजह से बैक्टीरिया इन जगहों पर ज्यादा तेजी से पनपते हैं और जलन, रैशेज जैसी समस्या होने लगती है।

पसीना

ज्यादा हेयर ग्रोथ की वजह से पसीना भी ज्यादा होता है। हेयर का काम बॉडी हीट को मेंटेन करके रखना है। बॉजी पर ज्यादा हेयर बॉडी में गर्मी पैदा करते हैं। जिसकी वजह से अनकंफर्ट और ज्यादा पसीना निकलता है।

बॉडी से बदबू

पसीना और रैशेज के साथ ही ज्यादा हेयर ग्रोथ की वजह से बॉडी से बदबू भी ज्यादा आती है।

फोड़े–फुंसी

एक्सेसिव हेयर ग्रोथ की वजह से स्किन पर दाने, फोड़े और फुंसियां भी ज्यादा निकलती हैं। इसलिए जरूरी है कि इन एक्सेसिव हेयर को रिमूव किया जाए।

ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड जीत के साथ शीर्ष पर, भारत अंक तालिका में बांग्लादेश से भी नीचे

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की वेस्टइंडीज पर और श्रीलंका की बांग्लादेश पर जीत के बाद विश्व टेस्ट चौंपियनशिप 2025–27 की अंक तालिका में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। यह विश्व टेस्ट चौंपियनशिप के इस चक्र की शुरुआत ही है, लेकिन फाइनल में पहुंचने के लिए जंग देखने को मिल रही है। ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को वेस्टइंडीज को 159 रन से हराकर 12 अंक हासिल किए, जबकि श्रीलंका ने बांग्लादेश को पारी और 78 रन से हराकर 12 अंक हासिल किए। ऑस्ट्रेलिया का यह इस चक्र में पहला मैच था। इस वजह से टीम के 12 अंक और 100 अंक प्रतिशत हैं। टीम शीर्ष पर पहुंच गई है। वहीं, इंग्लैंड की टीम 100 अंक प्रतिशत और 12 अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। इंग्लैंड ने इसी हफ्ते भारत को पांच विकेट से शिकस्त दी थी।

तालिका में बांग्लादेश से भी नीचे भारत

वहीं, श्रीलंका की टीम ने बांग्लादेश को दूसरे टेस्ट में हराया। दोनों के बीच पहला टेस्ट ड्रॉ रहा था। ड्रॉ से दोनों टीमों को चार–चार अंक मिले थे। ऐसे में जीत के बाद 12 अंक मिलने पर श्रीलंका के कुल 16 अंक हो गए हैं, जबकि उनका अंक प्रतिशत 66.67 है। बांग्लादेश के चार अंक हैं और 16.67 अंक प्रतिशत है। टीम चौथे स्थान पर है। वहीं, भारत ने एक टेस्ट खेला है और उसमें हार मिली। इसलिए न तो भारत के कोई अंक हैं और न ही अंक प्रतिशत। भारतीय टीम फिलहाल पांचवें स्थान पर है। यही हाल वेस्टइंडीज के साथ है। उसने एक टेस्ट खेला है और उसमें हार मिली। विंडीज टीम भी बिना किसी अंक और अंक प्रतिशत के छठे स्थान पर है।

पाकिस्तान और द. अफ्रीका में होगी भिड़ंत

न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका ने अभी तक इस चक्र में अपने–अपने अभियान की शुरुआत नहीं की है। पाकिस्तान और विश्व टेस्ट चौंपियन दक्षिण अफ्रीका अपने 2025–27 डब्ल्यूटीसी चक्र की शुरुआत अक्तूबर में दो मैचों की टेस्ट सीरीज से करेंगे। वहीं,

न्यूजीलैंड की टीम अपने विश्व टेस्ट चौंपियनशिप 2025–27 चक्र की शुरुआत वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज से करेगी। यह सीरीज नवंबर–दिसंबर में खेली जाएगी।

कौन सी टीम सबसे ज्यादा टेस्ट खेलेगी?

ऑस्ट्रेलियाई टीम विश्व टेस्ट चौंपियनशिप 2025–27 चक्र में सबसे ज्यादा 22 टेस्ट मैच खेलेगी। वहीं, इंग्लैंड की टीम 21 मैच खेलेगी। इसके बाद 18 मैचों के साथ भारत तीसरे स्थान पर है। न्यूजीलैंड को 16 और दक्षिण अफ्रीका–वेस्टइंडीज को 14–14 टेस्ट खेलने हैं। पाकिस्तान की टीम 13 और श्रीलंका–बांग्लादेश को 12–12 टेस्ट खेलने हैं। 2025–27 चक्र में प्रतिस्पर्धा करने वाले नौ देशों के बीच खेली जाने वाली 27 टेस्ट सीरीज में से 17 सीरीज में केवल दो मैच होंगे, जबकि तीन मैचों की छह सीरीज होंगी।

इंग्लैंड के बाद भारत का किससे सामना?

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत 20 जून से हो चुकी है। इस सीरीज का आखिरी मुकाबला 31 जुलाई से खेला जाएगा। इसके बाद टीम इंडिया घर पर वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की सीरीज खेलेगी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पहला टेस्ट दो अक्तूबर से और दूसरा टेस्ट 10 अक्तूबर से खेला जाएगा। फिर भारतीय टीम घर पर ही दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगी। इसका पहला मुकाबला 14 नवंबर से और दूसरा मकाबला 22 नवंबर से खेला जाएगा।

संक्षिप्त

भारत का विदेशी ऋण 10 प्रतिशत बढ़कर 736.3 अरब डॉलर पर, जीडीपी के अनुपात में बाह्य ऋण बढ़ा

भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कहा कि भारत का बाह्य यानी विदेशी ऋण मार्च 2025 के अंत तक 10 प्रतिशत बढ़कर 736.3 अरब डॉलर हो गया, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 668.8 अरब डॉलर था। जीडीपी के प्रतिशत के रूप में बाह्य ऋण एक साल पहले के 18.5 प्रतिशत से बढ़कर 2024–25 के अंत तक 19.1 प्रतिशत हो गया। आरबीआई ने कहा कि समीक्षाधीन वित्त वर्ष में मुद्रा बाजारों में कुछ उतार–चढ़ाव देखा गया, और रुपये तथा अन्य मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर के मूल्य में वृद्धि के कारण मूल्यांकन प्रभाव 5.3 अरब डॉलर रहा। केंद्रीय बैंक ने कहा कि यदि मूल्यांकन प्रभाव को छोड़ दिया जाए, तो बाह्य ऋण में 67.5 अरब डॉलर के बजाय 72.9 अरब डॉलर की बढ़ोतरी होती। आरबीआई ने कहा कि कुल ऋण में गैर–वित्तीय निगमों ने 261.7 अरब डॉलर, सरकार ने 168.4 अरब डॉलर और केंद्रीय बैंक को छोड़कर जमा स्वीकार करने वाले निगमों ने 202.1 अरब डॉलर का ऋण लिया। मार्च 2025 के अंत में, दीर्घकालिक ऋण (एक वर्ष से अधिक की मूल परिपक्वता के साथ) 601.9 अरब डॉलर था, और इसमें सालाना आधार पर 60.6 अरब डॉलर की वृद्धि हुई।

आईसीएआई ने कहा-चार्टर्ड अकाउंटेंट एक अप्रैल, 2026 से सिर्फ 60 ऑडिट ही कर पाएगा

चार्टर्ड अकाउंटेंट के शीर्ष निकाय आईसीएआई ने शुक्रवार को कहा कि अगले वित्त वर्ष से चार्टर्ड अकाउंटेंट को व्यक्तिगत रूप से एक वित्त वर्ष में केवल 60 कर ऑडिट करने की ही अनुमति होगी। भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) के चार लाख से भी अधिक सदस्य हैं। आईसीएआई के अध्यक्ष चरणजोत सिंह नंदा ने कहा कि 60 कर ऑडिट की सीमा पहले से ही लागू है, लेकिन एक चार्टर्ड अकाउंटेंट को साझेदारों के लिए भी ऑडिट करने की अनुमति होती है। इसका मतलब है कि किसी ऑडिट कंपनी में चार साझेदार हैं तो हरेक साझेदार दूसरे साझेदार के लिए भी ऑडिट कर सकता है। इस तरह वह ऑडिट कंपनी 240 ऑडिट तक कर सकती है, जबकि एक भागीदार व्यक्तिगत रूप से 60 से अधिक ऑडिट कर सकता है। नंदा ने कहा कि व्यक्तिगत साझेदार के लिए कर ऑडिट को 60 तक सीमित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, यह व्यवस्था एक अप्रैल, 2026 से शुरू होने वाले अगले वित्त वर्ष से लागू होने जा रही है। इसके साथ ही आईसीएआई के किसी सदस्य (चार्टर्ड अकाउंटेंट) द्वारा हस्ताक्षरित सभी कर ऑडिट के संबंध में कुल सीमा 60 हो जाएगी, चाहे वह व्यक्तिगत रूप से हो या फर्म के भागीदार के रूप में। हालांकि इस ऑडिट सीमा में कुछ छूट भी दी जाएगी। इसके अलावा, किसी कंपनी का साझेदार किसी अन्य साझेदार की तरफ से किसी भी कर ऑडिट रिपोर्ट पर हस्ताक्षर नहीं कर सकता है। ऑडिट की सीमा लगाने के पीछे गड़बड़ी पर अंकुश लगाने की मंशा होने से जुड़े सवाल पर नंदा ने सकारात्मक जवाब दिया। उन्होंने कहा, यूडीआईएन के साथ हमारा हर चीज पर नियंत्रण है। हम पूरी तरह से गड़बड़ी पर अंकुश लगाने की दिशा में काम कर रहे हैं। गलत कामों और चार्टर्ड अकाउंटेंट के हस्ताक्षरों के फर्जी होने की शिकायतों के बीच आईसीएआई ने विशिष्ट दस्तावेज पहचान संख्या (यूडीआईएन) प्रणाली लागू की है। यह एक विशिष्ट संख्या होती है जो किसी कार्यरत चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा प्रमाणित या सत्यापित हरेक दस्तावेज के लिए बनाई जाती है। इस बीच, घरेलू चार्टर्ड अकाउंटेंट फर्मों के लिए विदेशी नेटवर्किंग के मसौदा दिशा–निर्देशों पर सुझाव देने की समय–सीमा 16 जुलाई तक बढ़ा दी गई है।

वित्त मंत्रालय ने कहा- तेल कीमतें कम हुई, लेकिन सब कुछ ठीक होने का दावा करना जल्दबाजी

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्रालय की एक रिपोर्ट में शुक्रवार को दावा किया गया कि इजराइल–ईरान के बीच संक्षिप्त युद्ध के कारण तेल की कीमतों में आई तेजी अब नरम पड़ी है, लेकिन सब कुछ ठीक होने का दावा करना जल्दबाजी होगा। मंत्रालय की मासिक आर्थिक समीक्षा में इस बात पर भी जोर दिया गया कि वृहद–आर्थिक क्षेत्र में कोई बड़ा असंतुलन न होने, मुद्रास्फीति की दर में नरमी और वृद्धि को समर्थन देने वाली मौद्रिक नीति के कारण भारत की वृहद–आर्थिक स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है। रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइल–ईरान के बीच संक्षिप्त युद्ध होने और फिर अमेरिकी हस्तक्षेप होने के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से उछाल आया। मंत्रालय ने कहा, हालात ऐसे ही बने रहते तो चालू वित्त वर्ष में भारत की वृद्धि और राजकोषीय संभावनाओं को खतरा हो सकता था। शुक्र है कि युद्धविराम हो गया है और तेल की कीमतों में तेजी से गिरावट आई। इसमें कहा गया है कि तेल की वैश्विक आपूर्ति पर्याप्त है, लेकिन बीमा लागत और मार्ग अवरुद्ध होने के कथित जोखिम के कारण कीमत में वृद्धि हो सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के लिए यही जोखिम है। फिलहाल जोखिम कम हो गया है। लेकिन, साल के बाकी समय के लिए सब ठीक है कहना अभी जल्दबाजी होगी। रिपोर्ट कहती है, हमें आने वाले कुछ समय के लिए संतुलन बनाने की आदत डालनी होगी। इसमें भारत कई अन्य देशों की तुलना में बेहतर स्थिति में है। समीक्षा रिपोर्ट में भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए इसे घबराहट से भरा लेकिन रोमांचक समय बताते हुए कहा गया है, भू–राजनीति हमें ऐसे अवसर प्रदान कर सकती है, जो पहले असंभव लगते थे। यह हम पर निर्भर करता है कि हम मुश्किल का सामना करने के लिए पर्याप्त रूप से लचीले बने रहें। इसके मुताबिक, भारत की आर्थिक रफ्तार बढ़ती जा रही है, जो घरेलू वृद्धि को बनाए रखते हुए जटिल वैश्विक चुनौतियों से निपटने की देश की क्षमता को दर्शाती है।

टीम हित में जरूरी, श्रीलंका से हार के बाद नजमुल हुसैन शांतो ने छोड़ी टेस्ट कप्तानी

नई दिल्ली। बांग्लादेश के टेस्ट कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने कप्तानी छोड़ने का फैसला किया है। उन्होंने शनिवार को श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज हारने के बाद यह फैसला लिया। शांतो ने कहा, मैं टेस्ट कप्तानी छोड़ रहा हूं।

टेस्ट सीरीज गंवाने के बाद शांतो ने छोड़ी कप्तानी

बांग्लादेश की टीम इन दिनों श्रीलंका दौरे पर है। यहां दोनों टीमों के बीच हाल ही में दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली गई, जिसका पहला मुकाबला श्रीलंका ड्रॉ पर समाप्त हुआ जबकि दूसरा मैच श्रीलंका ने पारी और 78 रन से जीत लिया। शनिवार को बांग्लादेश की 1–0 से टेस्ट सीरीज में हार के बाद शांतो ने कहा– मुझे एक घोषणा करनी है। मैं बांग्लादेश टेस्ट टीम की कप्तानी से हट रहा हूं। मैं इस प्रारूप में कप्तान के रूप में बने रहना नहीं चाहता, और मैं सभी को एक स्पष्ट संदेश देना चाहता हूंरू यह कोई व्यक्तिगत मामला नहीं है। यह पूरी तरह से टीम की बेहतरी के लिए है और मेरा मानना है कि इससे टीम को मदद मिलेगी। अगर क्रिकेट बोर्ड को लगता है कि वे तीन प्रारूपों में तीन कप्तानों के साथ बने रहेंगे, तो यह उनका निर्णय होगा।

तीनों प्रारूपों में होगा अलग कप्तान

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने शांतो को तीनों प्रारूपों में कप्तान नियुक्त किया था। हालांकि, साल की शुरुआत में उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम की कप्तानी छोड़ दी थी। उनकी जगह लिट्टन दास को टी20 टीम का कप्तान बनाया गया। अब शांतो ने टेस्ट टीम के नेतृत्व की जिम्मेदारी से भी इस्तीफा दे दिया है। वनडे टीम की कप्तानी पहले ही उनसे छीन ली गई थी। वनडे टीम की अगुआई का जिम्मा मेहदी हसन मिराज के कंधों पर है। शांतो ने आगे कहा– श्मैं बस यही उम्मीद करता हूं कि लोग इसे व्यक्तिगत मुद्दा न समझें या यह न सोचें कि मैंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि मुझे वनडे कप्तानी न मिलने पर बुरा लगा।

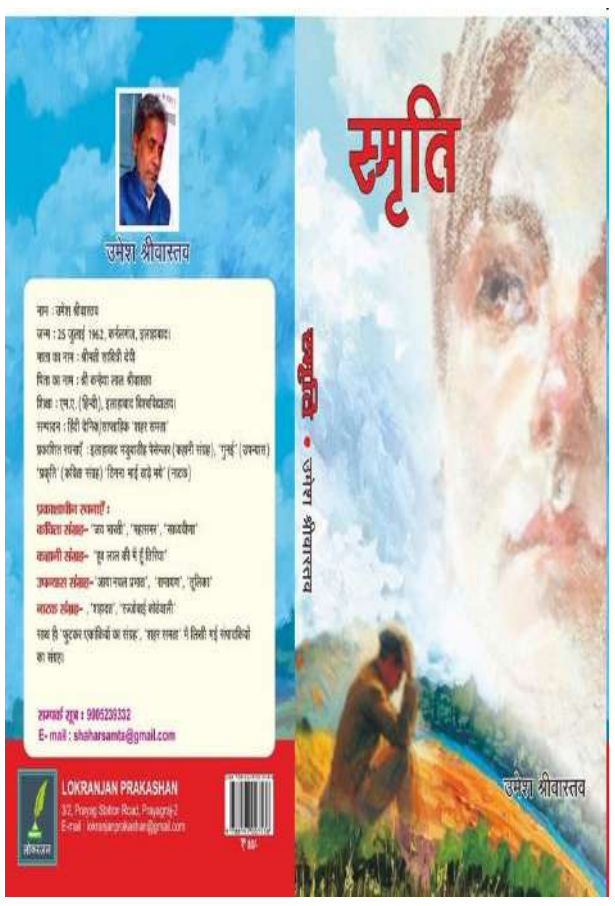

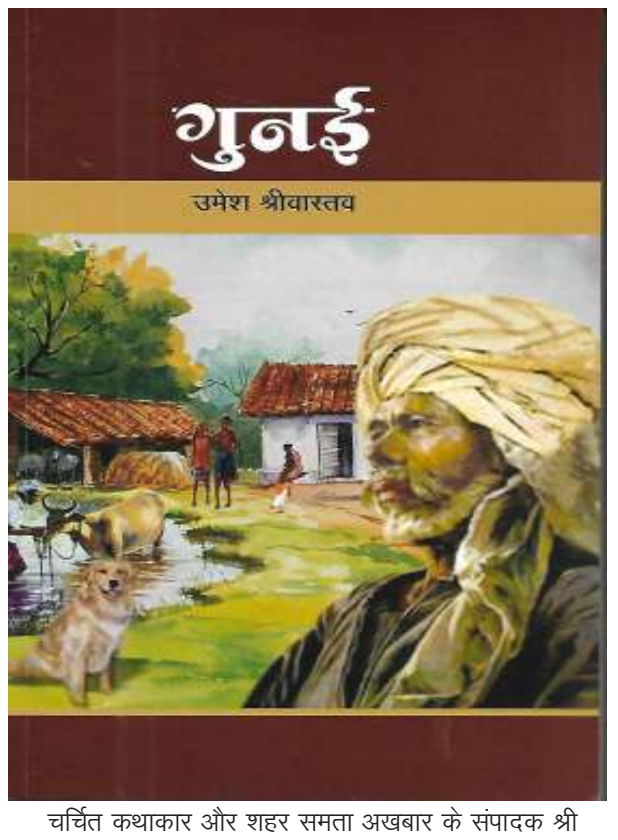

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

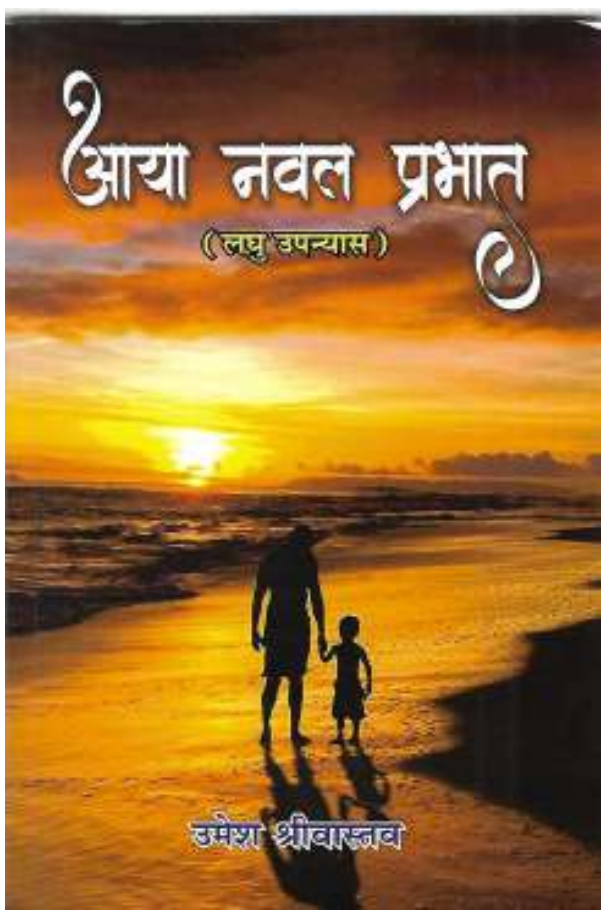

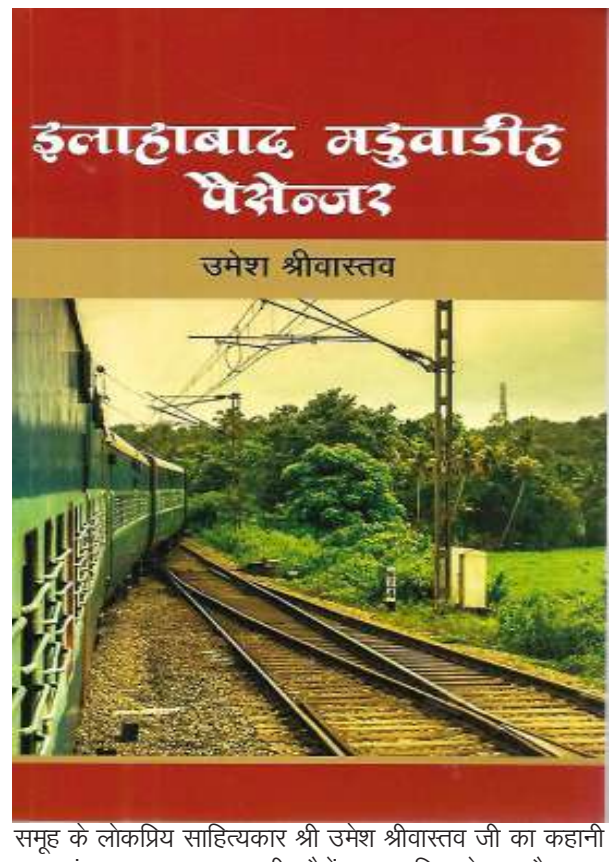

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

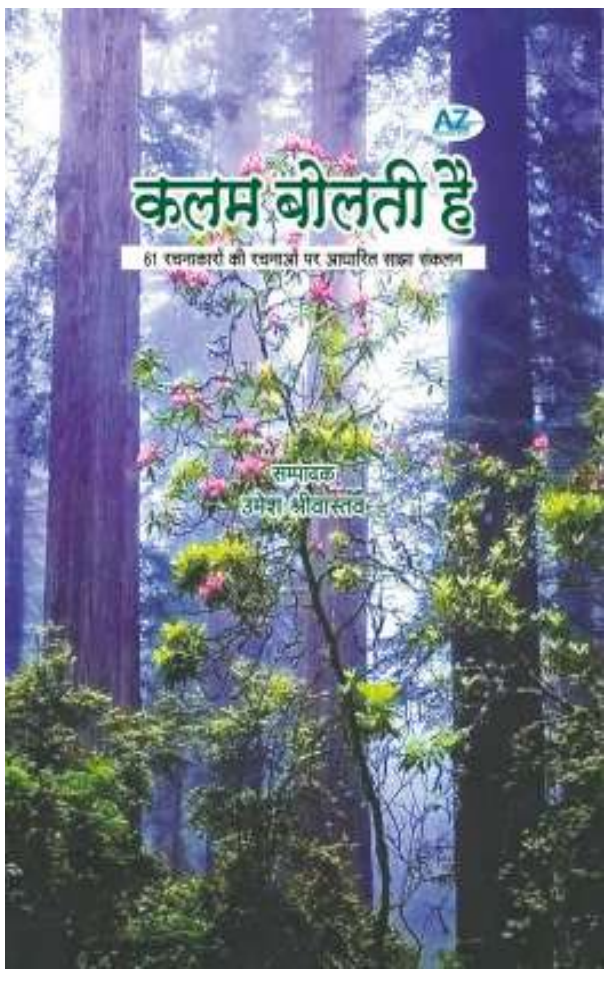

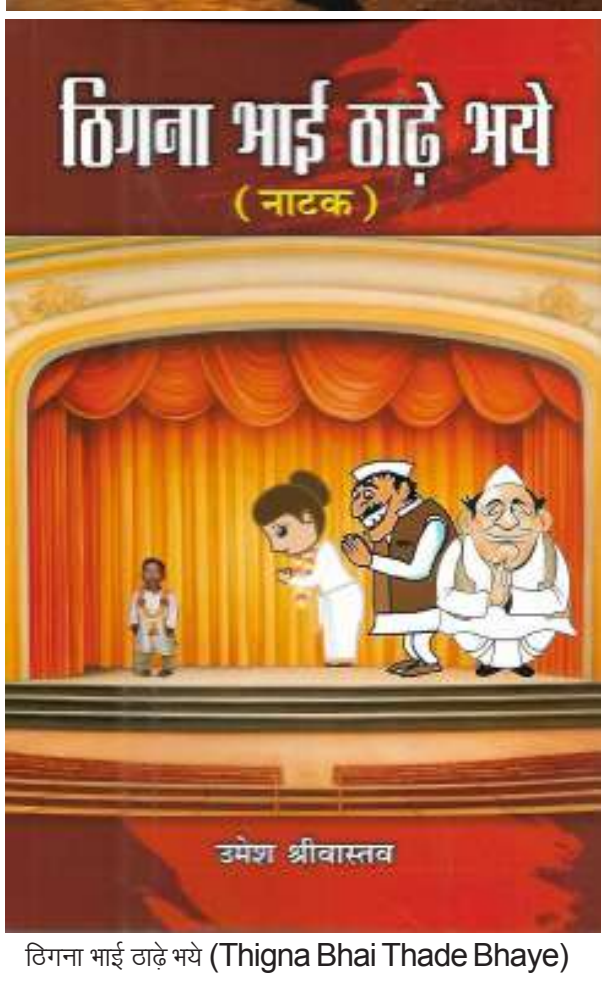

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

मिस्र के नील डेल्टा क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में 19 लोगों की मौत

मिस्र में शुक्रवार को एक ट्रक और एक छोटी बस की टक्कर में 19 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह

जानकारी दी। श्रम मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, बस नील डेल्टा गवर्नरेट ऑफ मेनौफिया के एशमौन शहर में एक क्षेत्रीय सड़क से होते हुए कामगारों को उनके काम पर ले जा रही थी। दुर्घटना में तीन लोग बच गए। स्थानीय मीडिया की खबरों के अनुसार, घायलों सहित सभी पीड़ितों को जनरल एशमौन अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। श्रम मंत्री मोहम्मद गेब्रान ने अधिकारियों को पीड़ितों के परिवारों को मुआवजा देने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आदेश दिया है।

ट्रंप मुनीर को लंच खिलाते रह गए, इधर रूस दे रहा भारत को बड़ा तोहफ

भारत और रूस के बीच रणनीतिक रक्षा सहयोग को लेकर एक और अहम चर्चा हुई है। इस दौरान भारत ने रूस से दो और एस 400 यूनिट खरीदने का प्रस्ताव रखा। ये फैसला ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एस 400 की सफलता तैनाती के बाद लिया गया, जिससे बॉर्डर पर बढ़ते हुए तनाव के बीच भारत की तैयारियों को और ताकत देगा। एससीओ की बैठक में हिस्सा लेने गए भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मुलाकात रूस के रक्षा मंत्री के साथ भी हुई। इस मुलाकात के दौरान कुछ अहम मुद्दों पर बातचीत हुई है। जिसकी जानकारी अब सामने आई है। दोनों

देशों के बीच ऑपरेशन सिंदूर के दौरान किस तरह की भारत ने तैयारी की थी। किस तरह से भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने दुश्मन को चारों खाने चित कर दिए उसके परिपेक्ष में बात आगे बढ़ाई गई और भारत व रूस ने आने वाले दिनों में डिफेंस प्रोडक्शन प्लान को लेकर एक लंबी बातचीत की है। अतिरिक्त एस–400 इकाइयों के लिए विचार भारत के स्वदेशी लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (एलआरएसएएम) कार्यक्रम, प्रोजेक्ट कुशा में देरी से भी उपजा है। इस परियोजना को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड और भारत डायनेमिक्स लिमिटेड के सहयोग से विकसित किया जा रहा है। हालाँकि, इसकी पूर्ण तैनाती में समय लगेगा, जिसके लिए एक अंतरिम समाधान की आवश्यकता है। भारत ने ज़्यादा उन्नत ै–500 सिस्टम हासिल करने में दिलचस्पी दिखाई है, जो ै–400 से भी ज़्यादा रेंज और क्षमताएं प्रदान करता है। हालाँकि, इस तरह के सौदे के लिए रूसी नेतृत्व से उच्च–स्तरीय मंजूरी की आवश्यकता होगी, जो अभी तक नहीं मिली है। भारत ने 2018 में पाँच ै–400 रेजिमेंट की खरीद के लिए रूस के साथ 5.43 बिलियन अमरीकी डॉलर का समझौता किया था। अब तक, तीन रेजिमेंट को महत्वपूर्ण रणनीतिक मोर्चों पर पहुँचाया और तैनात किया जा चुका है – पाकिस्तान की ओर वाला पश्चिमी मोर्चा और चीन की सीमा से लगा उत्तरी मोर्चा।

रूस और यूक्रेन ने एक दूसरे पर ड्रोन से हमले किये, पुतिन ने कहा, मॉस्को शांति वार्ता को तैयार

रूस और यूक्रेन ने एक दूसरे के ठिकानों पर लंबी दूरी तक मार करने वाले ड्रोन से हमले किये हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। वहीं रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि उनका देश तुर्किये के शहर इस्तांबुल में सीधे शांति वार्ता के नए दौर के लिए तैयार है। पुतिन ने कहा कि रूसी और यूक्रेनी अधिकारी संभावित नए दौर की बैठक के लिए समय पर चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने बेलारूस की यात्रा के दौरान संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि संभावित युद्ध विराम की शर्तें, जिन्हें क्रेमलिन ने अब तक प्रभावी रूप से अस्वीकार कर दिया है, एजेंडे में शामिल होने की उम्मीद है। फिलहाल युद्ध के थमने के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं क्योंकि अमेरिका के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय शांति प्रयासों से अब तक कोई नतीजा नहीं निकला है। इस्तांबुल में रूसी और यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडलों के बीच हाल ही में हुई दो दौर की वार्ता संक्षिप्त रही और किसी समझौते पर पहुंचने में कोई प्रगति नहीं हुई। यूक्रेन के रक्षा मंत्री रुस्तम उमरोव ने कहा कि यूक्रेन चाहता है कि शांति वार्ता में अगला कदम राष्ट्रपति वोलोदिमीर जलेंस्की और पुतिन के बीच सीधी बैठक हो। रूसी सेना ने बृहस्पतिवार और शुक्रवार की दरमियानी रात यूक्रेन पर 363 ड्रोन एवं आठ मिसाइलों से हमला किया, इनमें शाहिद और डिकॉय ड्रोन शामिल हैं। इसके साथ ही यूक्रेन की वायु सेना ने चार ड्रोन को छोड़कर बाकी ड्रोनों और छह क्रूज मिसाइलों को मार गिराया है। इस बीच, रूसी रक्षा मंत्रालय ने बताया कि रात भर कई क्षेत्रों में 39 यूक्रेनी ड्रोन गिराए गए।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

2000 करोड़ के ड्रोन, भारत तो गजब करने जा रहा है! चीन–पाकिस्तान–तुर्किए की तिकड़ी का दिमाग घूम जाएगा

भारत अब अपनी ड्रोन शक्ति को उस मुकाम पर ले जा रहा है, जहां से चीन, पाकिस्तान और तुर्की के लिए सीधी चुनौती शुरू हो चुकी है। रक्षा मंत्रालय ने 2000 करोड़ रुपए की आपातकालीन खरीद को मंजूरी दे दी है। इसका मतलब कि भारतीय सेना को अगले स्तर की टेक्नोलॉजी से लैस करना है। दरअसल, रक्षा मंत्रालय की तरफ से ये मंजूरी एक आपातकालीन खरीद के तौर पर दी गई है। इसका मतलब है कि खतरा सिर पर है और सेना को तुंरत तैयार किया जा रहा है। ये फंड ऐसे ड्रोन्स के लिए जारी किया गया है जो भारत की सीमा सुरक्षा को न केवल मजबूत बनाएंगे बल्कि दुश्मन की हरकतों पर पल–पल की नजर भी रखेंगे और जरूरत पड़ने पर तुरंत हमला कर सकेंगे।

आपातकालीन खरीद योजना के तहत मंजूरी

रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि 1,981.90 करोड़ रुपये की राशि के ये अनुबंध भारतीय सेना के लिए 2,000 करोड़ रुपये के कुल स्वीकृत परिव्यय के मुकाबले अंतिम रूप दिए गए हैं। आपातकालीन खरीद योजना के तहत फास्ट–ट्रैक प्रक्रियाओं के माध्यम से निष्पादित, उपकरण और हथियारों का उद्देश्य आतंकवाद विरोधी वातावरण में तैनात सैनिकों के लिए स्थितिजन्य जागरूकता, मारक क्षमता, गतिशीलता और सुरक्षा को बढ़ाना है। मंत्रालय ने कहा कि तेजी से क्षमता वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए अधिग्रहण को संकुचित समयसीमा के भीतर पूरा किया गया था। ये खरीद भारतीय सेना को उभरती सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए मिशन–महत्वपूर्ण और पूरी तरह से स्वदेशी प्रणालियों से लैस करेगी। सूत्रों ने कहा कि इस तरह की और खरीद हो सकती है क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इस्तेमाल की गई सूची को फिर से भरने के लिए बलों को करीब 40,000 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए गए थे।

सेना को कौन कौन से ड्रोन मिलेंगे

1. इंटिग्रेटेड ड्रोन डिटेक्शन एंड इंटरडिक्शन सिस्टम यानी दुश्मन के ड्रोन को पहचान कर, ट्रैक कर और उसे हवा में ही निष्क्रिय करने में सक्षम होगा। भारत के पास अब वो टेक्नोलाजी होगी जिससे कोई भी विदेशी ड्रोन सीमा में दाखिल नहीं हो पाएगा।

2. रिमोटली पाइलेटेड एरियल व्हीकल्स खासतौर से निगरानी और स्ट्राइक मिशन दोनों के लिए तैयार किए गए हैं। सेना को ऐसे आरपीवी मिलेंगे जो दिन रात हर मौसम में ऑन ऑपरेट कर सकते हैं।

3. लायट्री म्यूनिशन ड्रोन टारगेट के आसपास चक्कर काटते हैं और जैसे ही कमांड मिलती है टारगेट पर गिरकर ध्माका कर देते हैं।

4. सर्विलांसिग कॉम्बैट ड्रोन न केवल निगरानी करेंगे बल्कि जरूरत पड़ने पर दुश्मन के टारगेट पर लॉन्ग रेंज अटैक भी कर सकेंगे।

पाकिस्तान ने बड़े पैमाने पर किया था ड्रोन का इस्तेमाल

पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों के खिलाफ शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में इस्लामाबाद द्वारा बड़े पैमाने पर ड्रोन का इस्तेमाल किया गया था। पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमलों का बदला लेने के लिए सीमा पार आतंकी ढांचे पर भारत के हवाई हमलों का मुकाबला करने के लिए पाकिस्तान ने बड़ी संख्या में ड्रोन और युद्धक हथियारों का इस्तेमाल किया था। भारत ने अपने स्वनिर्मित आकाशतीर वायु रक्षा प्रणाली का उपयोग करके पाकिस्तान द्वारा किए गए ड्रोन हमलों की श्रृंखला को विफल कर दिया था, जो युद्ध में रक्षा की प्रमुख पंक्ति के रूप में उभरी है।

बहुत उड़ रहा था चीन, भारत ने ठोक दिया एंटी डंपिंग ड्यूटी, हिल गए जिनपिंग!

चीन की चालबाजियों पर अब भारत ने करारा जवाब दे दिया है। मोदी सरकार ने वो ठोस कदम उठाया है जो सीधे बीजिंग की जड़ें हिला सकता है। चीन और ताइवान से आने वाले प्लास्टिक प्रॉसेसिंग मशीनों पर भारत ने पांच साल के लिए एंटी डंपिंग ड्यूटी ठोक दी है। अब चीन को न केवल व्यापार में बड़ा झटका लगेगा बल्कि ये भारत की आत्मनिर्भरता की ओर कदम है। राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, वित्त मंत्रालय ने पाया कि इन दोनों देशों से डंप कीमतों पर ऐसी वस्तुओं का निर्यात भारत में किया गया। मंत्रालय ने यह भी पाया कि इन देशों से डंप आयात के कारण घरेलू उद्योग को भारी नुकसान हुआ है। इसमें कहा गया है कि चीन और ताइवान से ऐसे सामानों के डंप आयात से घरेलू उद्योग को भौतिक क्षति हुई है।

वित्त मंत्रालय ने घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए, विषयगत देशों में उत्पन्न या वहां से निर्यातित तथा भारत में आयातित विषयगत वस्तुओं के आयात पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है। उत्पत्ति के देश, निर्यात के देश और उत्पादक के आधार पर, डंपिंग रोधी शुल्क ऐसे माल के सीआईएफ मूल्य के 27 प्रतिशत से 63 प्रतिशत के बीच है। लगाया गया डंपिंग रोधी शुल्क अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से पांच वर्ष की अवधि (जब तक कि इसे पहले निरस्त, प्रतिस्थापित या संशोधित न किया जाए) के लिए लगाया जाएगा। डंपिंग रोधी शुल्क भारतीय मुद्रा में देय होगा।

सरल शब्दों में कहें तो, एंटी–डंपिंग शुल्क आयातित वस्तुओं पर लगाए जाने वाले कर हैं, जो उनके निर्यात मूल्य और उनके सामान्य मूल्य के बीच के अंतर की भरपाई के लिए लगाए जाते हैं, यदि डंपिंग के कारण आयात करने वाले देश में प्रतिस्पर्धी उत्पादों के उत्पादकों को नुकसान होता है।

ईरान ने तो ट्रंप का मजाक बना दिया, फिर से परमाणु हथियार का काम शुरू ? सैटेलाइट तस्वीरों में क्या खुलासा हुआ

ईरान की प्रमुख परमाणु साइट से जुड़ी नई सैटेलाइट तस्वीरों

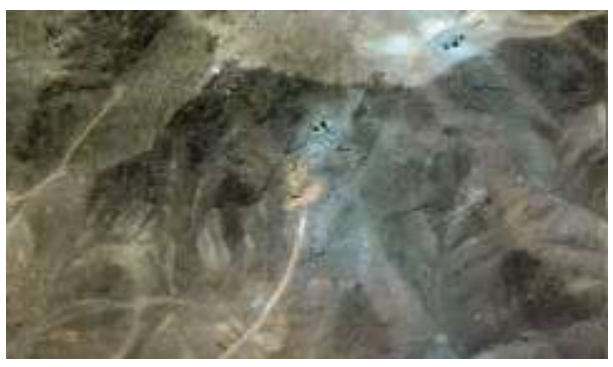

से बड़ा खुलासा हुआ है। सैटेलाइट इमेजरी में ईरान के फोर्डो परमाणु संयंत्र में निर्माण और मिट्टी हटाने वाले उपकरण दिखाए गए हैं, यह देश में कई परमाणु संयंत्रों पर अमेरिकी हमले के कुछ दिनों बाद की बात है। ये तस्वीरें मैक्सार टेक्नोलॉजीज द्वारा जारी की गई हैं, जिन्होंने कहा कि उन्होंने भूमिगत परिसर के सुरंग प्रवेश द्वारों के पास और 22 जून के हवाई हमलों के कारण बने कई हवाई हमलों के गड्ढों के पास नई गतिविधि दिखाई है।

मैक्सार टेक्नोलॉजीज ने कहा कि कई उत्खनन मशीनों और बुलडोजरों सहित मिट्टी हटाने वाले उपकरण रिज लाइन के शीर्ष पर छेदोंध्गड्ढों के उत्तरी सेट के पास मिट्टी हटाते देखे गए। छवियों में यह भी दिखाया गया है कि हवाई हमलों के दोनों सेटों तक जाने वाली नई पहुंच सड़कें तैयार होने के शुरुआती चरण में हैं। मैक्सार के अनुसार, भूमिगत परिसर के प्रवेश द्वार के ठीक उत्तर में निर्माणधमिट्टी हटाने वाले उपकरण भी देखे गए हैं, साथ ही सुविधा तक पहुंचने के मुख्य मार्ग पर हवाई हमलों के गड्ढों की मरम्मत के प्रयास भी चल रहे हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने घोषणा की कि अमेरिकी हवाई हमलों से ईरान की परमाणु क्षमताएँ "पूरी तरह से नष्ट हो गई हैं, जबकि एक लीक हुई खुफिया रिपोर्ट में कहा गया है कि हमलों ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को केवल कुछ महीनों के लिए पीछे धकेल दिया है। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने गुरुवार को कहा कि गहराई में दबे फोर्डो यूरेनियम संवर्धन संयंत्र में सेंट्रीफ्यूज अब चालू नहीं हैं और इस सुविधा को "बहुत अधिक नुकसान" हुआ है, लेकिन कहा कि इसे नष्ट कर दिया गया है, यह दावा बहुत अधिक है।

तालिबान ने घेरा पूरा पाकिस्तान! बम बांधकर उड़ा दिए मुनीर के 13 सैनिक

जिस तालिबान के खूंखार लड़ाकों के सामने पाकिस्तान के फौजियों की टांगे कांपने लगती है। जिस तालिबान के लड़ाके एक बार कसम खाते हैं तो मरकर भी बदले की कसम को निभाते हैं। उस तालिबान ने पाकिस्तान ने आर पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। तालिबान सेना ने डूरांड लाइन पर हजारों सैनिक टैंक बख्तरबंद वाहनों और खतरनाक हथियारों के साथ हमला बोला। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बॉर्डर पर खतरनाक जंग छिड़ चुकी है। तालिबान युद्ध का आदी है, लेकिन पाकिस्तान में इस खबर के बाद हड़कंप मच गया है। वहीं अब खबर है कि उत्तर–पश्चिम पाकिस्तान में आत्मघाती बम विस्फोट में कम से कम 13 सैनिक मारे गए है। जानकारी के अनुसार, यह हमला खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हुआ, जो अफगानिस्तान की सीमा के पास स्थित है।

एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से लदे वाहन को सैन्य काफिले में घुसा दिया। इस विस्फोट में 13 सैनिक मारे गए, 10 सैन्यकर्मी और 19 नागरिक घायल हो गए। विस्फोट से आस–पास के घरों को भी नुकसान पहुंचा है। खैबर पख्तूनख्वा में तैनात एक पुलिस अधिकारी ने एएफपी को बताया कि विस्फोट के कारण दो घरों की छतें भी गिर गईं, जिससे छह बच्चे घायल हो गए। अभी तक किसी भी समूह ने इसकी जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन क्षेत्र में अक्सर अशांति और तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) द्वारा हमले होते रहे हैं।

यह आत्मघाती हमला ऐसे समय में हुआ है जब पाकिस्तान में आतंकवादी हमलों में वृद्धि हुई है, खासकर खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान क्षेत्रों में।

इस साल मार्च में, पाकिस्तानी सेना ने दावा किया था कि उसने टीटीपी से जुड़े संदिग्ध 10 आतंकवादियों को मार गिराया है, जब एक आत्मघाती हमलावर ने दक्षिणी वजीरिस्तान में जंडोला चेकपॉइंट के पास फ्रंटियर कॉर्प्स कैंप को निशाना बनाया था।

आतंक की फैक्ट्री फिर से चालू! ऑपरेशन सिंदूर में तबाह किए गए लॉन्च पैडों के पुनर्निर्माण में लगा पाकिस्तान

आपने वो पुरानी कहावत तो सुनी होगी कि चोर चोरी से जाए हेरा फेरी से न जाए। मतलब साफ है कि एक बार जिसे चोरी की लत लग चुकी हो वो लाख चाहकर भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आता है। कुछ ऐसा ही हमारे पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान के साथ भी है। उसे आतंकवाद के एक्सपोर्ट की ऐसी बुरी लत लग गई है कि वो लाख चाहकर भी इस आदत को सुधार नहीं पा रहा है। पहलगाम आतंकी हमले के जावब में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर करते हुए पाकिस्तान के अंदर घुसकर आतंक के अड्डों को तबाह किया। लेकिन अब पाकिस्तान की तरफ से आतंकवादी लॉन्चपैड और प्रशिक्षण शिविरों को फिर से एक्टिव करने की तैयारी चल रही है। एक मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि पाकिस्तानी सेना, उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई और सरकार कथित तौर पर इन आतंकवादी बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण के लिए पर्याप्त धन और पूर्ण समर्थन प्रदान कर रही है, खासकर पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) और आस–पास के इलाकों में। 7 मई को भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी शिविरों पर सटीक हमले किए, जिसमें तीन प्रमुख आतंकी संगठनों जैश–ए–मोहम्मद (जेईएम), लश्कर–ए–तैयबा (एलईटी) और हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया। सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्यों में से एक बहावलपुर में जैश का मुख्यालय था, जिसे जैश के संचालन का मुख्य केंद्र माना जाता है। खुफिया एजेंसियों ने संकेत दिया है कि पाकिस्तानी आतंकी संगठन आईएसआई के साथ मिलकर नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास घने जंगलों में हाई–टेक, छोटे आतंकी शिविर बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इस रणनीति का उद्देश्य निगरानी और हवाई हमलों से बचना है। वर्तमान में जिन शिविरों का पुनर्निर्माण किया जा रहा है, वे लूनी, पुटवाल, ताइपु पोस्ट, जमीला पोस्ट, उमरांवाली, चपरार, फॉरवर्ड कहुटा, छोटा चक और जंगलोरा जैसे क्षेत्रों में स्थित हैं। इन शिविरों को कथित तौर पर थर्मल इमेजर्स, पर्ण–भेदी रडार और उपग्रह निगरानी का मुकाबला करने के लिए डिजाइन की गई उन्नत तकनीकों से लैस किया जा रहा है। सूत्रों ने आगे बताया कि पाकिस्तानी सेना और आईएसआई पीओके में 13 लॉन्चिंग पैड को फिर से विकसित कर रहे हैं, जिनमें केल, शारदी, दुधनियाल, अथमुकाम, जुरा, लीपा वैली, पचीबन चमन, टंडपानी, नैय्यली, जनकोट, चकोटी, निकेल और फॉरवर्ड कहुटा जैसे इलाके शामिल हैं। इसके अलावा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नष्ट किए गए अंतरराष्ट्रीय सीमा पर चार आतंकी लॉन्चपैड को भी फिर से सक्रिय किया जा रहा है। इनमें पाकिस्तान रेंजर्स की नियमित चौकियां भी शामिल हैं। आईएसआई कथित तौर पर जम्मू सेक्टर में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर चार लॉन्चपैड का पुनर्विकास कर रही है।

ईरान को 30 बिलियन डॉलर देने की खबर को ट्रंप ने किया खारिज, बताया फेक न्यूज मीडिया का दुष्प्रचार

पांच दिन पहले ईरान पर बीटू बॉम्बर्स से बम बरसाने वाले ट्रम्प को लेकर एक रिपोर्ट सामने आई जिसने अमेरिकी राष्ट्रपति का पारा चढ़ा दिया।

दरअसल, सीएनएन ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि ट्रम्प प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि वह ईरान को नागरिक (सिविलियन) एटमी प्रोग्राम के लिए लगभग 2.5 लाख करोड़ रुपए की मदद दिलाने को तैयार है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।